आज का विचार

सत्य हमेशा पानी की तरह होता है वह किसी न किसी तरह निकलने की जगह बना ही लेता है।

www.ambikavani.com

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-24 अंक-81 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

रायपुर, शनिवार 24 मई , 2025

भटगांव मार्ग में मृत हालत में पड़ा मिला लकड़बग्घा

बल्ले से इतिहास लिखते जो रूट, सचिन से अब चंद सौ कदम दूर, बनेंगे टेस्ट क्रिकेट के नए बादशाह

जवानों के बुलंद हौसलों से मिटेगा नक्सलवाद का कलंकः विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री बासिंग स्थित बीएसएफ कैम्प पहुंचकर की जवानों की हौसला अफजाई,कहा- फोर्स के अदम्य साहस और शौर्य को नमन

रायपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि हमारे जवानों का हौसला दुर्गम पहाड़ों से भी ऊंचा है। नक्सलवाद के विरूद्ध निर्णायक लड़ाई में हमारे जवानों ने अदभुत, साहस, शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया है। जवानों के बुलंद हौसलों से अब वह दिन दूर नहीं जब बस्तर से नक्सलवाद का नामोनिशान मिट जाएगा।

मुख्यमंत्री साय शुक्रवार को ओरछा ब्लॉक के ग्राम बासिंग स्थित बीएसएफ कैम्प पहुंचे, जहां पर उन्होंने २१ मई को डीआरजी-बीएसएफ और जिला बल के द्वारा माओवादियों के विरूद्ध नारायणपुर, दंतेवाड़ा और बीजापुर की सरहदी पहाड़ियों में चलाए गए नक्सल विरोधी ऑपरेशन में २७ नक्सलियों को मार गिराने वाले जवानों की हौसला-अफजाई की। उन्होंने बासिंग कैम्प में जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि यह माओवाद के विरूद्ध अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है जिसमें सुरक्षा बलों ने हार्डकोर माओवादी बसवा राजू सहित २७ नक्सलियों को मार गिराया है। मुख्यमंत्री के साथ उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और वन मंत्री केदार कश्यप, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह भी बासिंग पहुंचे। मुख्यमंत्री ने जवानों की हौसला अफजाई करते हुए तिलक लगाकर उनका अभिनंदन किया। उन्होंने जवानों से कहा कि बस्तर में अमन और शांति लाने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा बल के जवानों को ५० मोटर बाइक पर हरी झंडी दिखाकर गस्त करने के लिए रवाना किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जवानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सुरक्षा बलों ने जिस तरह उच्च स्तरीय रणनीति बनाकर ऑपरेशन को अंजाम दिया और कामयाबी हासिल की वह काबिले-तारीफ है। फोर्स के इस अदम्य साहस और शौर्य को नमन है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अब वह दिन दूर नहीं जब बस्तर के माथे से माओवाद का कलंक पूरी तरह से मिट जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मार्च २०२६ तक देश से नक्सल समस्या को समूल समाप्त करने का संकल्प लिया है, वह पूरा होता नजर आ रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि वह दिन दूर नहीं जब बस्तर अंचल छत्तीसगढ़ के विकास से पूरी तरह जुड़ जाएगा। उन्होंने उम्मीद जाहिर करते हुए कहा कि बस्तर के अंदरूनी इलाके, जहां कुछ साल पहले तक जाना भी संभव नहीं था, वहां अब शिक्षा, स्वास्थ्य, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन और निर्माण कार्यों में अब गति आएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि माओवाद प्रभावित क्षेत्रों को शासन की योजनाओं से जोड़ने नियद नेल्लानार, पीएम जनमन जैसी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिसका सकारात्मक बदलाव अब बस्तर में दिखने लगा है। माओवाद की समाप्ति के साथ ही बस्तर विकास की ओर तेजी से बढ़ेगा। उन्होंने ऑपरेशन में शामिल सभी जवानों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए उनकी बहादुरी के लिए बधाई दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि इस ऑपरेशन और जवानों की बड़ी और ऐतिहासिक सफलता की सराहना राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी हो रही है। उन्होंने कहा कि अब बस्तर में बड़ा और सकारात्मक परिवर्तन होने जा रहा है जो विकास और प्रगति की राह पर बस्तर को ले जाएगा।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने जवानों को एलईडी सेट और गिफ्ट हैम्पर भेंट किए। इस अवसर पर ऑपरेशन में शामिल जवानों ने की गई तैयारियों और रणनीति की जानकारी मुख्यमंत्री एवं उप मुख्यमंत्री को दी। इसके पहले, जवानों ने मुठभेड़ के बाद माओवादियों से रिकवर किए गए हथियारों का प्रदर्शन किया, जिसमें बीजीएल लॉन्चर, १२ बोर बंदूक, .३०३ बंदूक, ७.६२ रायफल, ५.५६ एमएम इंसास, एके-४७, ९ एमएम कार्बाइन सहित विभिन्न प्रकार के हथियार सम्मिलित थे।

इस मौके पर पुलिस महानिदेशक अरूण देव गौतम, एडीजी नक्सल ऑपरेशन विवेकानंद सिन्हा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, बस्तर कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी, डीआईजी अमित तुकाराम कामले, कलेक्टर नारायणपुर प्रतिष्ठा ममगाईं, पुलिस अधीक्षक श्री प्रभात कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

पहला कॉलम

अब एयरपोर्ट पर फोटो-वीडियो नहीं ले सकेंगे यात्री, डीजीसीए ने लगाया बैन; जारी किए सख्त निर्देश

नई दिल्ली ,23 मई (ए)। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने देश की हवाई सुरक्षा को लेकर अहम और सख्त निर्देश जारी किए हैं। यह नया नियम उन सभी विमानों पर लागू होगा जो सैन्य हवाई अड्डों से उड़ान भरते हैं या वहां लैंड करते हैं। छत्रष्ट्र का यह निर्देश विशेष रूप से भारत की पश्चिमी सीमा के पास स्थित संवेदनशील हवाई अड्डों-जैसे अमृतसर, जम्मू, श्रीनगर और जैसलमेर-पर सख्ती से लागू रहेगा। नए नियम के तहत इन स्थानों पर टेकऑफ या लैंडिंग के दौरान यात्रियों को विमान की खिड़कियों के पर्दे (विंडो शेड्स) नीचे रखने होंगे। दरअसल, हाल के वर्षों में यह देखा गया है कि कुछ यात्री टेकऑफ या लैंडिंग के दौरान खिड़कियों से बाहर के दृश्य की तस्वीरें या वीडियो बना लेते हैं और उन्हें सोशल मीडिया पर साझा कर देते हैं। इन तस्वीरों में एयरबेस की संरचना, सैन्य गतिविधियां और अन्य संवेदनशील जानकारियाँ भी कैद हो जाती हैं, जिससे देश की सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता है।

इसी के मद्देनजर छत्रष्ट्र ने विंडो शेड्स नीचे रखने और सैन्य हवाई अड्डों पर फोटो या वीडियो लेने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

कुछ अलग

जम्मू-कश्मीर : एसआईए ने पुंछ में कई जगहों पर की छापेमारी; नार्को टेररिज्म से जुड़ा मामला

जम्मू ,23 मई (ए)। जम्मू कश्मीर में स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) ने पुंछ में कई जगहों पर छापेमारी की है। मामला नार्को टेररिज्म से जुड़ा बताया जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से आतंक विरोधी गतिविधियों पर पुलिस बल नजर बनाए हुए है। दरअसल, पिछले कुछ महीनों से जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को जिंदा रखने के लिए पाकिस्तान नार्को टेररिज्म का सहारा ले रहा है। इसके तहत आतंकियों के साथ जम्मू-कश्मीर में मादक पदार्थों को भेज कर उससे अर्जित राशि का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया जा रहा है। राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ में कई जगहों पर छापेमारी की। आतंकियों से कथित तौर पर जुड़े एक घर पर छापेमारी की जा रही है। 17 मई को राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने मध्य और उत्तरी कश्मीर में करीब 11 जगहों पर व्यापक छापे मारे थे। इससे पहले 11 मई को एसआईए ने अनंतनाग, पुलवामा, कुलगाम और शोपियां समेत 20 स्थानों पर छापे मारे थे। स्लीपर सेल मॉड्यूल की चल रही जांच के तहत दक्षिण कश्मीर में ये छापेमारी की गई थी। ये सेल व्हाट्सएप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसे एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर भारतीय सुरक्षा बलों और प्रमुख प्रतिष्ठानों से जुड़ी संवेदनशील और रणनीतिक सूचनाएं प्रसारित करते पाए गए।

खरी-खरी

दिल्ली-एनसीआर में कोरोना ने दी दस्तक, गुरुग्राम में मिले 2 मरीज; बढ़ते मामलों के बीच इस राज्य में एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली ,23 मई (ए)। कोविड-19 महामारी का खतरा एक बार फिर से सिर उठाने लगा है। एशिया के कई देशों में कोरोना के मामलों में इजाफा देखा जा रहा है और अब भारत में भी फिर से कोविड पॉजिटिव केस सामने आने लगे हैं। खासकर, दिल्ली से सटे गुरुग्राम, महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई और गुजरात के अहमदाबाद में नए मामले सामने आए हैं।

गुरुग्राम के साइबर सिटी इलाके में कोरोना की दस्तक हो चुकी है। यहां दो नए केस रिपोर्ट हुए हैं, जिनमें से एक मरीज हाल ही में मुंबई से लौटी हैं। दोनों मरीजों को फिलहाल आइसोलेशन में रखा गया है। गुरुग्राम के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (ष्टरूह्र) ने बताया कि दोनों मरीजों में माइल्ड सिम्टम्स हैं और घबराने की कोई बात नहीं है। स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से सतर्क है और संक्रमण की रोकथाम के लिए आवश्यक तैयारियां की जा चुकी हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि खांसी या जुखाम जैसे लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। मुंबई और ओडिशा के भुवनेश्वर से भी नए कोविड मामलों की पुष्टि हुई है। भुवनेश्वर में एक कंफर्म केस सामने आया है। ओडिशा के स्वास्थ्य विभाग की आयुक्त एवं सचिव अश्वथी एस. ने प्रेस वार्ता में कहा कि राज्य पूरी तरह से तैयार है और स्थिति नियंत्रण में है। गुजरात के अहमदाबाद में गुरुवार तक कोरोना के 4 नए केस दर्ज किए गए, जिनमें एक 84 वर्षीय मरीज को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती किया गया है, जबकि बाकी तीन मरीज होम आइसोलेशन में हैं। मई महीने में अकेले अहमदाबाद में अब तक 38 कोरोना मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें 31 केस अभी भी ऐक्टिव हैं। नगर निगम की ओर से संचालित अस्पतालों में कोविड टेस्टिंग जारी है और ऐहतियातन स्ङ्कक्क, रुत्र और शारदाबेन अस्पताल में आइसोलेशन वार्ड भी क्रियाशील कर दिए गए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, कोरोना मामलों में इस बढ़ोतरी के पीछे ओमिक्रॉन का नया छ्वह्र.1 वेरिएंट है, जो बेहद तेजी से फैलता है और दुनियाभर में इसके प्रभाव देखे जा रहे हैं। आंध्र प्रदेश सरकार ने कोविड की बढ़ती रफ्तार को देखते हुए एक एडवाइजरी जारी की है। इसमें 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को सख्ती से घर में रहने की सलाह दी गई है। साथ ही सभी धार्मिक, सामाजिक और सार्वजनिक आयोजनों से बचने की अपील की गई है। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और एयरपोर्ट जैसी जगहों पर कोविड गाइडलाइंस का पालन करना अनिवार्य किया गया है।

भारतीय वायु सेना ने भी नहीं दी थी विमान को पाकिस्तान की तरफ ले जाने की अनुमति

0 बुधवार का घटनाक्रम, दिल्ली से श्रीनगर जा रहा था विमान 0 ओलावृष्टि के कारण फ्लाइट ६ व २१४२ को पहुंचा नुकसान 0 चिखते-चिल्लाते यात्रियों का वीडियो हुआ था वायरल

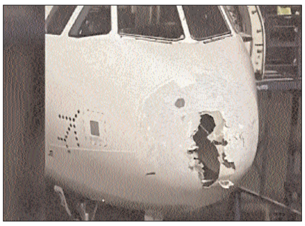

नई दिल्ली । दिल्ली से श्रीनगर जा री इंडिगो एयरलाइन्स की फ्लाइट में मौजूद २२७ यात्रियों की जान उस समय खतरे में पड़ गई थी, जब विमान श्रीनगर में लैंड होने से पहले तूफान में फंस गया था। अब खुलासा हुआ है कि खराब मौसम से बचने के लिए पायलट ने लाहौर एयर ट्रैफिक कंट्रोल से पाकिस्तान का एयर स्पेस यूज करने की मांग की थी।

हालांकि, पाकिस्तान ने इससे इनकार कर दिया। मजबूरन पायलट को खराब मौसम में विमान की लैंडिंग कराना पड़ी। इस दौरान यात्रियों और क्रू मेंबर्स की जान अटकी रही। टूटी हुई नाक के साथ विमान ने लैंड किया। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि खतरा कितना बड़ा था।

पूरे घटनाक्रम पर डीजीसीए का बयान

अब इस मामले में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) का बयान भी आ गया है। डीजीसीए ने कहा कि विमान पंजाब के पठानकोट के पास लगभग ३६,००० फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था, तभी वह आंधी और ओलावृष्टि में फंस गया।

हालात बिगड़ने के बाद पायलट ने पहले उत्तरी एटीसी से अनुरोध किया कि वह विमान को अंतरराष्ट्रीय सीमा की ओर मोड़ने की अनुमति दे। उत्तरी वायु यातायात नियंत्रण (उत्तरी एटीसी) को भारतीय वायुसेना चलाती है। पाकिस्तान के साथ मौजूदा हालात देखते हुए वायु सेना ने विमान को पाकिस्तान की तरफ जाने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद पायलट ने लाहौर संपर्क किया। वहां से भी अनुमति नहीं मिली, तो खराब मौसम के बीच से विमान निकालना पड़ा।

अमृतसर के ऊपर था, तब लाहौर से संपर्क किया था

जब विमान अमृतसर के ऊपर से उड़ान भर रहा था, तो पायलट ने खराब मौसम को देखते हुए अलर्ट जारी किया। फिर उसने लाहौर एटीसी से संपर्क किया और हवाई क्षेत्र का उपयोग करने की अनुमति मांगी।

अनुमति न मिलने पर पायलट ने निर्धारित मार्ग पर ही उड़ान जारी रखी और नतीजा यह हुआ कि विमान को खराब मौसम वाले वायु क्षेत्र में प्रवेश करना पड़ा। यह पूरा घटनाक्रम बुधवार का है।

कांग्रेस ने सरेंडर किया, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की केंद्र से मांग 1991 समझौते की जांच कराई जाए

नई दिल्ली ,23 मई (ए)। भारत-पाक सीजफायर पर कांग्रेस की ओर से केंद्र सरकार पर सरेंडर करने के आरोप में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सरेंडर करने काम तो कांग्रेस ने 1991 में किया था। अब समय आ गया है कि इस समझौते जांच की जाए कि किन परिस्थितियों में यह समझौता हुआ। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि 1991 का समझौता तब हुआ था जब कांग्रेस समर्थित सरकार सत्ता में थी। इसे 1994 में लागू किया गया था जब नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री थे। उस समझौते में आपने कहा था कि हमारी सेना कहां तैनात होगी, नौसेना कहां तैनात होगी, वायुसेना कैसे कार्रवाई करेगी और ये सब 15 दिन पहले बताना होगा, क्या ये देशद्रोह नहीं है? दूसरा सवाल यह है कि आर्मी कह रही है कि हमने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। विदेशी मीडिया में खबरें प्रकाशित हो रही हैं कि भारत जो कह रहा है, वह सही है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकवादी मसूद अजहर के परिवार के 14 लोग मारे गए। उसे पाकिस्तान सरकार 14 करोड़ रुपया दे रही है। पीएम मोदी ने साफ कर दिया है कि सेना को आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए खुली छूट दी है। फिर भी विपक्ष हिसाब मांग रहा है। भाजपा सांसद ने कहा कि मेरा कांग्रेस से सीधा सवाल है कि यह जो समझौता आपने किया, यह किन परिस्थितियों में किया? क्योंकि, सेना की बातें तो संसद में भी चर्चा नहीं की जाती हैं। आजादी के बाद से हम अपने हिस्से के कश्मीर के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं और दुश्मन देश पीओके के लिए लगातार आतंकी गतिविधि करने में लगा हुआ है। कांग्रेस का पाकिस्तान प्रेम देखिए, कांग्रेस ने 1950 में नेहरू-लियाकत समझौता किया। 1960 में सिंधु जल समझौता, आतंकवादी हमलों में हमारे किसान मारे जाते हैं और कांग्रेस उन्हें पानी पिलाते रही। इसके बाद 1975 में शिमला समझौता कर लिया। कांग्रेस ने 2012 में वीजा इतना फ्री कर दिया कि 40 हजार पाकिस्तानी यहां आए और यहीं के होकर रह गए। भारत सरकार उनकी खोज कर रही है। भाजपा सांसद ने कहा कि कांग्रेस ने वोट बैंक की राजनीति के लिए देश को बर्बाद और बेचने का काम किया। अब समय आ गया है कि इस समझौते की जांच की जाए कि किन परिस्थितियों में यह एग्रीमेंट हुआ।

पहलगाम हमले के बाद विपक्ष द्वारा सरकार का समर्थन करने के बाद विपक्ष के रुख में बदलाव पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि विपक्ष को समझ में नहीं आ रहा था कि पाकिस्तानी सीमा में घुसे बिना इतना बड़ा हमला कैसे संभव था। वे सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत भी मांगते रहे। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ओर से उठाए गए सवालों पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण क्या हो सकता है? कभी भाजपा को सेना पर सवाल उठाते देखा है? हम भी विपक्ष में रहे हैं। कुछ वर्षों को छोड़ दें तो कांग्रेस ने इस देश पर 60 साल तक राज किया। तब भी हमने कभी सेना पर सवाल नहीं उठाया। इस देश में सेना पर कभी सवाल नहीं उठाया जाता। हमें अपनी सेना पर गर्व है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता वाले बयान को कांग्रेस द्वारा राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने पर भाजपा सांसद ने कहा कि कांग्रेस को अपनी सेना या प्रधानमंत्री पर भरोसा नहीं है, वोट बैंक की राजनीति के लिए वह पाकिस्तान पर भरोसा करती है। उसे पाकिस्तान की पार्टी बन जाना चाहिए। कांग्रेस का नाम बदलकर पाकिस्तानी कांग्रेस पार्टी कर देना चाहिए।

कांग्रेस द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को सबसे बड़ा देशभक्त बताए जाने पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि दूसरों का विश्लेषण करना मेरा काम नहीं है। मैं अपने नेता के बारे में जानता हूं। मोदी के रहते सब कुछ संभव है। मोदी के रहते देश सुरक्षित है। और मोदी के रहते भारत का नाम दिन-

ऑल टाइम फेवरिट वियर है डेनिम जैकेट

डेनिम जैकेट को कैरी करने का एक आसान और स्टाइलिश तरीका है, इसे जींस के साथ कैरी करना। यह एक ऐसा लुक है, जिसे केजुअल से लेकर आउटिंग में कैरी किया जा सकता है। आप व्हाइट या ब्लैक टी के साथ ब्लू जींस और डेनिम जैकेट पहन सकती हैं।

डेनिम जैकेट एक ऐसा वियर है, जो ऑल टाइम फेवरिट है। किसी भी मौसम में डेनिम जैकेट को बेहद आसानी से कैरी किया जा सकता है। इस कपड़े की खासियत यह है कि आप इसे कई तरह से कैरी कर सकती हैं और हर बार एक डिफरेंट लुक पा सकती हैं। अगर आपके वार्डरोब में भी ब्लू डेनिम जैकेट है और आप उसे हर बार एक ही तरह से स्टाइल करती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको डेनिम जैकेट को स्टाइल करने के अलग-अलग तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि डेनिम जैकेट को कैरी करने का एक आसान और स्टाइलिश तरीका है, इसे जींस के साथ कैरी करना। यह एक ऐसा लुक है, जिसे केजुअल से लेकर आउटिंग में कैरी किया जा सकता है। आप व्हाइट या ब्लैक टी के साथ ब्लू जींस और डेनिम जैकेट पहन सकती हैं। अगर आप थोड़ा एक्सपेरिमेंटल होना चाहती हैं तो ऐसे में जैकेट पर पैच वर्क भी किया जा सकता है। फेमिनिन लुक के लिए आप इसके साथ सैंडल्स को पेयर करें। वहीं अगर आप स्पोर्टी टच चाहती हैं तो ऐसे में आप स्नीकर्स को स्टाइल कर सकती हैं।

फैशन एक्सपर्ट के अनुसार, यंग गर्ल्स पर इस तरह का स्टाइल काफी अच्छा लगता है। इसके लिए आप प्रिंटेड टीशर्ट के साथ शॉर्ट स्कर्ट पेयर करें। अपने आउटफिट की लेयरिंग के लिए आप डेनिम जैकेट को पहनें। इसके साथ लॉन्ग स्टेटमेंट ईयररिंग्स या बीड्स नेकपीस को स्टाइल करना अच्छा रहेगा।

लॉन्ग स्कर्ट के साथ करें स्टाइल

फैशन एक्सपर्ट के अनुसार, यह स्टाइल हर उम्र की महिला पर अच्छा लगता है और इसमें आप काफी कुछ कर सकती हैं। मसलन, अगर आप कलर ब्लॉकिंग करना चाहती हैं तो ऐसे में आप व्हाइट या ब्लैक टॉप के साथ किसी ब्राइट कलर की लॉन्ग स्कर्ट को पेयर करें। वहीं अपने लुक में स्ट्रक्चर एड करने के लिए आप बेल्ट का सहारा भी ले सकती हैं। आखिरी में आप क्रॉप स्टाइल डेनिम जैकेट को पेयर करें। यह लुक एकदम क्लासी लगता है और कभी भी ट्रेंड से आउट नहीं होता।

अपने साथ कई सारी उम्मीदें, प्यार व एक्साइटमेंट लेकर आता है रिश्ता

एक रिश्ता अपने साथ कई सारी उम्मीदें, प्यार व एक्साइटमेंट लेकर आता है। किसी के साथ एक रिश्ते में जुड़ने पर यकीनन आप कुछ अलग व खास महसूस कर रही होंगी। लेकिन इस प्यार भरी फीलिंग के बीच जरूरी है एक-दूसरे को समझना। एक रिश्ते को मजबूत होने और आपसी समझ विकसित होने में थोड़ा वक्त लगता है और यह केवल तभी संभव है, जब आप एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते व समझते हों। जब आप ऐसा करने में सक्षम हो जाते हैं तो इससे आपके रिश्ते को एक मजबूती और स्थिरता मिलती है। अब सवाल यह उठता है कि एक नए रिलेशनशिप में अपने पार्टनर को बेहतर तरीके से समझने के लिए आप क्या करें। इसके लिए आपको कुछ कदम उठाने की जरूरत है। हालांकि यह उतना मुश्किल भी नहीं है। अगर आप अपने पार्टनर से कुछ सवाल पूछती हैं तो इससे आपको अपने पार्टनर को समझने में आसानी होती है। तो चलिए आज हम आपको ऐसे ही कुछ सवालों के बारे में बता रहे हैं, जो आपको एक न्यू रिलेशन में जरूर पूछने चाहिए

आपकी बकेट लिस्ट में क्या है?

हर किसी के पास उन चीजों की एक सूची होती है जिन्हें वे अपने जीवन में करना चाहते हैं। भले ही उन्होंने वास्तव में इसके लिए पहले से तैयारी की हो या नहीं। लेकिन फिर भी उनके कुछ सपने जरूर होते हैं। इस सवाल से आपको अपने पार्टनर के सपनों को समझने में आसानी होगी। आपको समझ में आएगा कि वह अपने जीवन से क्या चाहते हैं। इस तरह आप कहीं ना कहीं अपने और उनके सपनों की कम्पैटिबिलिटी को भी चेक कर सकती हैं।

आप हमेशा कहाँ घूमना चाहते हैं?

जब आप अपने पार्टनर से उनके ट्रेवल प्लॉन और ट्रेवल संबंधित पसंद के बारे में पूछती हैं तो इससे आपको समझ में आता है कि उन्हें कैसी जगहें अधिक पसंद है। मसलन, उन्हें गर्मी पसंद है या ठंड। क्या उन्हें शहरों में घूमना अच्छा लगता है या फिर बीच पसंद है या फिर वह वाइल्ड लाइफ को अधिक प्राथमिकता देते हैं। इससे आपको एक साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करने में भी मदद मिलती है। साथ ही आपको उनके व्यक्तित्व के बारे में भी पता चलता है।

अगर आप अपने बारे में एक चीज बदल सकते हैं, तो यह क्या होगा?

यह एक बेहद ही दिलचस्प सवाल है और जब आप अपने पार्टनर से यह सवाल पूछती हैं तो इससे आपको पता चलता है कि क्या वह खुद में बदलाव कर सकते हैं। दूसरे शब्दों में, आपके साथी में खुद के बारे में कुछ बदलने की शक्ति है या नहीं। दरअसल, एक रिलेशन को सक्सेसफुल बनाने के लिए कई बार खुद में कई बदलाव करने पड़ते हैं और यह तभी संभव है, जब आपमें वह शक्ति हो।

क्या आप भविष्य में बच्चे चाहते हैं?

यह एक बेहद ही सामान्य प्रश्न लगता है, लेकिन अगर आप अपने पार्टनर के साथ अपनी पूरी लाइफ देख रही हैं तो ऐसे में यह सवाल जरूर पूछना चाहिए। इससे आपको यह समझने में आसानी होगी कि अपनी फैमिली प्लानिंग और मैरिज के लेकर उनके क्या प्लॉन है या फिर जब आप उनसे शादी करेंगी तो आप दोनों का एक-दूसरे के करियर और फैमिली प्लॉनिंग के बीच क्या रवैया होगा।

किस चीज ने आपको सबसे पहले आकर्षित किया?

यह कोई संदेह नहीं है कि यह सवाल आपके पार्टनर को एक बार के लिए आश्चर्यचकित जरूर करेगा। हो सकता है कि आपके सवाल पूछने से वह हैरान हो जाएं। लेकिन इससे आपको अपनी छिपी हुई क्वालिटीज को जानने में मदद मिलेगी। वैसे हो सकता है कि आपका पार्टनर भी आपसे यह सवाल पूछ लें, इसलिए आप भी अपने पार्टनर को इसका जवाब देने के लिए तैयार रहें।

पौधों में चाहिए ज्यादा फल और फूल तो अपनाएं ये आसान गार्डनिंग हैक्स

अगर आप गार्डनिंग के बारे में सोचकर परेशान हो रहे हैं तो ये कुछ आसान टिप्स आपके गार्डन को इस मौसम में भी हरा-भरा रखेंगी।

इस मौसम में किचन से लेकर गार्डन तक और किचन से लेकर बाथरूम तक हमें कई समस्याओं से जूझना पड़ता है। इस मौसम में हमारे गार्डन के पौधे भी खराब होने लगते है और ये वो समय है जब कई लोगों की शिकायत होती है कि कितनी भी मेहनत कर लें पर न तो पौधों में फल आते हैं, न ही फूल आते हैं। इस तरह की समस्या से बचने के लिए आप कुछ टिप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये टिप्स आपके पौधों को कई सारी समस्याओं से बचा सकती हैं। गार्डनिंग करते समय आपको इन बातों का ध्यान रखना होगा कि ये मौसम बहुत खराब होता है और पौधों को पूरी तरह से झुलसा सकता है इसलिए अगर कोई नया पौधा इस सीजन में लगाने के बारे में सोच रही हैं तो वो लगाएं जो इसी सीजन के हों। कैक्टस, समर फ्लावर, हर्ब्स, नींबू, लिली बल्ब्स आदि इस सीजन में लगाए जा सकते हैं। जो पौधे पहले से ही लगे हुए हैं उनके लिए कुछ खास टिप्स फॉलो करें।

पौधों के लिए शेड बनाएं

ये सबसे आसान और सबसे असरदार ट्रिक साबित हो सकती है जिससे आप अपने पौधों को बचा सकती हैं। ये आपके गार्डन के लिए एक अच्छा मौका हो सकता है। आप शेड क्लॉथ में इन्वेस्ट करें। ये ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों ही स्टोर्स पर उपलब्ध होते हैं। आपके गार्डन एरिया में कितनी और किस समय धूप आती है इसपर ध्यान देते हुए शेड क्लॉथ की थिकनेस और फैब्रिक का ध्यान रखें। ऐसे सभी पौधे जिन्हें बहुत ज्यादा धूप की जरूरत नहीं होती है उन्हें आप हमेशा शेड के अंदर ही रखें। मॉर्निंग में धूप लगे तो कोई बात नहीं, लेकिन दोपहर की कड़ी धूप में ये पौधे शेड के अंदर होने चाहिए। पौधों की पत्तियां अगर जल जाएंगी तो उनके फूल और फल नहीं आएंगे।

पौधों को पानी देने का समय ध्यान रखें

लोगों को लगता है कि जब बहुत धूप होती है तब पानी डालना चाहिए ताकि पौधों को ठंडक मिल सके, लेकिन ये सबसे खराब चीज है और इससे कई बार पौधे मर भी सकते हैं। दरअसल, पौधों को पानी देने का सही समय सुबह 10 बजे से पहले या फिर शाम को 4 बजे के बाद होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि दोपहर में अगर मिट्टी में पानी भरा हुआ रहेगा तो धूप से पानी के भाप बनने का प्रोसेस शुरू हो जाएगा। ऐसे समय में पौधे न तो पानी एब्जॉर्ब ठीक से कर पाते हैं और उनकी जड़ें सड़ने या फिर ज्यादा गर्मी के कारण उनके खराब होने की गुंजाइश ज्यादा रहती है।

पानी का शावर

ये समय सिर्फ रूट्स को ही पानी देने का नहीं होता बल्कि आपको पत्तियों को भी साफ करना होता है। ऐसे समय में आपको स्प्रिंकलर का इस्तेमाल करना चाहिए। ये न सिर्फ गर्मियों के कीड़ों को दूर रखता है बल्कि इससे आपके पौधों की पत्तियों की सफाई भी हो जाती है।

मिट्टी का मॉइश्चर बरकरार रखें

इसके लिए आप कोकोपीट, वर्मी कम्पोस्ट, रेत और गार्डन सॉइल का अच्छा मिक्सचर बनाएं। ये पानी में मॉइश्चर बनाकर रखने में कामयाब होगा और ये ज्यादा समय तक मिट्टी को पोषण दे पाएगा। आप मिट्टी में फास्फोरस और नाइट्रोजन रिच फर्टिलाइजर भी मिला सकती हैं। जिप्सम सॉल्ट आदि मिलाने के लिए भी ट्राई करें। साथ ही नीम पाउडर की मिलावट भी की जा सकती है जिससे कीड़े दूर रहें।

पानी की बोतलों को नया जैसा बनाने के लिए लें इन ट्रिक्स की मदद

घर की हर एक चीज समय-समय पर गंदी हो जाती है। इन दिनों गर्मियों का मौसम है। ऐसे में पानी की बोतल भी एक समय के बाद पुरानी और खराब दिखने लग जाती हैं। अगर आप गंदे पानी की बोतल को आसानी से साफ करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल में दिए गए हैक्स की मदद लें। इससे आपकी बोतल पर लगी गंदगी तो साफ होगी ही। साथ ही बोतलें चमक भी उठेंगी।

पानी की बोतल को साफ करने के लिए सिरके का घोल आपकी बहुत मदद कर सकता है। इससे बोतल पर लगे वो दाग भी हट जाते हैं जो साबुन से नहीं हटते हैं। सबसे पहले गुनगुना पानी लें और उसमें 3-4 चम्मच सिरका डालें। अब लिक्विड में 1 चम्मच बेकिंग पाउडर डालें और अच्छे से घोल तैयार कर लें। अब इस घोल को बोतल में डालें और कुछ देर के लिए रखा रहने दें। फिर बोतल को बाहर और अंदर से अच्छे से साफ करें। आपकी बोतल एक बार फिर चमक उठेगी।

डिटर्जेंट का बनाएं घोल

गंदी पानी की बोतलों को साफ करने के लिए आप डिटर्जेंट का घोल भी बना सकते हैं। डिटर्जेंट का घोल बहुत स्ट्रांग होती है जो बोतलों के जिद्दी दागों को आसानी से साफ कर देता है।

बोतल की बदबू कैसे करें दूर

कई बार बोतलों से बदबू आने लग जाती है जिसे साफ करने के लिए आपको बोतल में गर्मा-गर्म पानी डालना है। इससे बोतल की बदबू दूर हो जाती है और आप दोबारा बोतल को यूज कर सकते हैं।

किचन सिंक के नीचे ये चीजें स्टोर करने से बचें

अक्सर किचन के सिंक के नीचे मौजूद खाली जगह को लोग घर के बेकार समान को स्टोर करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। लेकिन किचन को ऑर्गेनाइज रखने और अनावश्यक नुकसान को रोकने के लिए कुछ खास चीजो को किचन सिंक के नीचे स्टोर करने से बचना चाहिए। किचन सिंक के नीचे ड्रिल्स, रिंचेस या फिर अन्य टूल्स को स्टोर करने की आदत आपकी चीजे खराब कर सकती है।

केमिकल प्रोडक्ट्स

किचन सिंक के नीचे लोग डस्टबीन के साथ अक्सर कैमिकल प्रोडक्ट्स जैसे ब्लीच, ड्रेन क्लीनर को भी स्टोर कर देते हैं। लेकिन ऐसा बिल्कुल न करें, इन कैमिकल प्रोडक्ट्स के गिरने से यह पूरे घर में फैलकर बच्चों, पेट्स या घर के बाकी सदस्यों को भी नुकसान पहुंच सकता है।

बैकअप आइटम

बैकअप आइटम रखने के लिए किचन सिंक के नीचे की ही जगह ज्यादातर इस्तेमाल की जाती है। लेकिन ऐसा करते समय लंबे समय तक लोग इस जगह की साफ-सफाई करना भूल जाते हैं। जिसकी वजह से यहां जर्म्स और बैक्टीरिया पनपने लगते हैं।

टूल्स

किचन सिंक के नीचे ड्रिल्स, रिंचेस या फिर अन्य टूल्स को स्टोर करने की आदत आपकी चीजे खराब कर सकती हैं। कई बार सिंक से पानी लीक होने पर नीचे रखे इन टूल्स में जंग लग सकता है, जिससे यह जल्दी खराब हो सकते हैं।

ऑयल रैग्स

आग लगाने वाले आइटम जैसे थिनर, पॉलिश, पेंट या फर्नीचर पॉलिश आदि किचन सिंक के नीचे स्टोर न करें। ऐसा करने से कई बार आग लगने का खतरा बना रहता है। ऐसी में इन चीजों को ऐसी जगह पर रखें जहां इनके गिरने और फैलने का खतरा कम रहे।

फटाफट खबरें

डोंगरीपारा में भीषण जल संकट

बस्तर एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार हर घर तक नल कनेक्शन और शुद्ध पेयजल पहुंचाने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर ग्राम पंचायत कौड़ावंड के मादियागुड़ा डोंगरीपारा के ग्रामीण तीन माह से भीषण जल संकट से जूझ रहे हैं। यहां स्थानीय लोगों को एक किलोमीटर दूर से पानी ढोना पड़ रहा है। गांव में न तो पक्की सड़क है और न ही स्थायी पेयजल स्रोत। एक मात्र सोलर पंप चालित बोर और उससे जुड़ा हैंडपंप भी सूखने की कगार पर है। भूजल स्तर इतना नीचे चला गया है कि सोलर पंप भी ठीक से पानी नहीं खींच पा रहा है। ग्रामीण महिलाओं सहित दर्जनों लोगों का समूह अपनी समस्याओं को लेकर जनपद पंचायत कार्यालय पहुंचा। जनपद अध्यक्ष सोनवारी भद्रे को आवेदन सौंपा गया, जिन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही पानी और सड़क की समस्या का समाधान किया जाएगा।

आकाशीय बिजली का कहर: 7 की मौत

दंतेवाड़ा छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज इन दिनों बदला हुआ है। कहीं तेज बारिश तो कहीं गरज-चमक और आंधी के साथ आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। बीते बुधवार को प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में आकाशीय बिजली गिरने से कुल 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घायल हुए हैं। दंतेवाड़ा जिले के गीदम क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने से 3 ग्रामीणों की मौत हो गई। गुमलनार गांव में एक महिला और एक पुरुष, जबकि कुम्हारपारा में एक महिला की मौत की पुष्टि हुई है। उधर, वाड्रफनगर क्षेत्र के जोगियानी, सुलसुली और मझौली गांवों में 3 लोगों और 4 मवेशियों की मौत हो गई। वहीं एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया, जिसका इलाज जारी है। मनेंद्रगढ़ जिले के मुसरा गांव में भी आकाशीय बिजली गिरने से 1 ग्रामीण की जान चली गई, जबकि 2 अन्य झुलस गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत और सहायता कार्य शुरू कर दिया है, साथ ही ग्रामीणों से सावधानी बरतने की अपील की है।

बस की डिग्गी से 21 किलो गांजा बरामद

दुर्ग जिले के बस स्टैंड क्षेत्र से गांजा तस्करी का मामला सामने आया है। पुलिस ने यात्री प्रतीक्षालय के पास खड़ी एक बस की डिग्गी से 21 किलोग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 2.10 लाख रुपए बताई जा रही है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि बस क्रमांक [illegible] 08-9792 की डिग्गी में ब्राउन और बैगनी रंग के ट्रॉली बैगों में संदिग्ध सामग्री रखी गई है। सूचना के आधार पर पद्मनाभपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बस की तलाशी ली। डिग्गी से मिले दो ट्रॉली बैगों को खोलने पर अंदर से ब्राउन टेप में पैक 12 पैकेट गांजा बरामद हुए। पुलिस ने तत्काल गांजा और सूटकेस जब्त करते हुए अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुशासन तिहार अंतर्गत प्राप्त 4740 आवेदनों में से 4503 का हुआ निराकरण

समाधान शिविर में दी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी

कोरबा, सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत विकासखंड कोरबा के ग्राम अजगरबहार में आयोजित समाधान शिविर में सुशासन तिहार के तहत प्राप्त 4740 आवेदनों में 4503 आवेदनों का निराकरण होने की जानकारी दी गई। शिविर में विभागीय अधिकारियों द्वारा शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए इसका लाभ उठाने की अपील ग्रामीणों से की गई।

शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने शिविर का लाभ बताते हुए, विभागीय समीक्षाओं को और स्पष्ट रूप से करने, खेती हेतु मिट्टी परीक्षण कराने, संबंधित विभाग को पानी की उचित व्यवस्था करने, वन पट्टा हेतु ग्रामसभा में पहले अनुमोदन कराने, ग्रामीणों के बिजली सुविधा हेतु क्षेत्र में सौर ऊर्जा प्लेट लगाने की बात कही। जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रेणुका राठिया द्वारा शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लेते हुए अधिक से अधिक लाभ लेने को कहा गया। श्रीमती कौशाम्बी गबेल मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कोरबा द्वारा सुशासन तिहार के सभी चरणों की जानकारी देते हुए अजगरबहार कलस्टर में प्राप्त आवेदन की निराकरण की जानकारी देते हुए जनपद पंचायत कोरबा में प्राप्त आवेदन का विवरण दिया गया। उनके द्वारा बताया गया कि कलस्टर में प्राप्त कुल 4740 आवेदन में 4503 आवेदनों का निराकरण कर लिया गया है। एसडीएम कोरबा श्री सरोज महिलांगे द्वारा सभी जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणजनों व शासकीय अधिकारी- कर्मचारियों से पेंशन के पात्र हितग्राहियों को पेंशन देने, सहयोग भाव से ग्रामीणों की सेवा करने, वृक्षारोपण करने व जल संरक्षण करने की बात कही गई। शिविर में ग्राम पंचायत अजगरबहार, माखुरपानी, कछार, सोनगुढ़ा को स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी मुक्त ग्राम पंचायत का प्रमाण पत्र वितरण किया गया। साथ ही 07 हितग्राही को मनरेगा कार्ड, 15 राशनकार्ड, 80 पेंशन, 05 आवास स्वीकृति, 03 वन अधिकार पट्टा, 01 जाति प्रमाण पत्र और 01 हितग्राही को निवास प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। शिविर में जनपद सदस्य श्री रफीक मेमन, श्रीमती गायत्री कंवर, श्रीमती गायत्री मंझवार, श्रीमती ललिता साहू, श्री हरिशंकर यादव मंडल अध्यक्ष, अजगरबहार कलस्टर में सम्मिलित 11 ग्राम पंचायत, अजगरबहार, बेला, चुईया, धनगांव, दोंदरो, जामबहार, कछार, माखुरपानी, सोनगुढ़ा सोनपुरी, तिलाईडांड के समस्त सरपंच, उपसरपंच एवं पंच सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

मरवाही में अंतर्राज्यीय बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़

गौरेला-मरवाही जिले में लगातार हो रही दोपहिया वाहन चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। अभियान के तहत साइबर सेल और थाना गौरेला की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता मिली है। टीम ने अंतर्राज्यीय बाइक चोर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 10 चोरी की बाइकें बरामद की गई हैं। गिरफ्तार आरोपी सूरज चौधरी और सोनू यादव, दोनों मध्यप्रदेश के उमरिया जिले के नौरोजाबाद थाना क्षेत्र के निवासी हैं। पूछताछ में आरोपियों ने गिरोह के मुख्य सरगना मोहम्मद शाहिद उर्फ शाकिर का नाम उजागर किया, जो गिरफ्तारी की भनक लगते ही फरार हो गया। तीनों आरोपी गौरेला के मड़ना क्षेत्र में किराए के मकान में रहकर वारदातों को अंजाम दे रहे थे। यह गिरोह रेलवे स्टेशन, मंगली बाजार और बस स्टैंड जैसे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर खड़ी मोटरसाइकिलों को मॉडिफाइड मास्टर चाबी से चोरी करता था और फर्जी दस्तावेजों के ज़रिए सस्ते दामों पर उन्हें बेच देता था। बरामद वाहनों में 4 हीरो एचएफ डीलक्स, 2 हीरो स्प्लेंडर, 2 होंडा साइन, 1 टीवीएस अपाचे और 1 टीवीएस विक्टर शामिल हैं।

नवापारा, गुरसिया और पोंड़ी में समाधान शिविर आयोजित

कोरबा सुशासन तिहार-2025 के तृतीय चरण अंतर्गत विकासखंड कटघोरा के ग्राम नवापारा, विकासखंड पोंड़ी-उपरोड़ा के ग्राम गुरसिया और विकासखंड पाली के ग्राम पोंड़ी में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को सुशासन तिहार-2025 अंतर्गत प्राप्त आवेदन और उनके निराकरण के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही अधिकारियों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उसका लाभ लेने का आव्हान ग्रामीणों से किया गया।

कटघोरा विकासखंड के ग्राम नवापारा में आयोजित समाधान शिविर में कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल शामिल हुए। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि सरकार का उद्देश्य लोक कल्याण एवं वंचित वर्गों का उत्थान करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शासन और प्रशासन के समन्वय से जनता को प्रत्यक्ष लाभ मिलता है जो कि इस शिविर में स्पष्ट परिलक्षित हो रहा है। नवापारा में आयोजित शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। 17 हितग्राहियों को राशन कार्ड, 09 जाबकार्ड, 03 हितग्राहियों को पेंशन आदेश, खेल विभाग द्वारा ग्रामीण बच्चों को 08 खेल सामग्री का वितरण किया गया। इस शिविर में दो पंचायतों के सरपंच सचिवों को टी.बी. मुक्त प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। जनसंपर्क विभाग द्वारा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित पांपलेट, ब्रोशर और जनमन पत्रिका का वितरण किया गया। शिविर में जनपद पंचायत कटघोरा की अध्यक्ष श्रीमती झुलबाई कंवर, उपाध्यक्ष श्रीमती ममता राठौर, जिला पंचायत सदस्य विनोद कुमार यादव, सरपंच ग्राम ,तहसीलदार दीपका, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कटघोरा संबंधित पंचायत क्षेत्र के सहायक विकास विस्तार अधिकारी, पटवारी, सचिव, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में विशेष डीसीसी डीएलआरसी बैठक संपन्न

जिला एमसीबी 22 मई 2025 जिले में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में डीसीसी,डीएलआरसी की बैठक (दिसंबर 2024 एवं मार्च 2025 तिमाही हेतु) कलेक्ट्रेट कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम, आरबीआई एलडीओ दीपेश तिवारी, नाबार्ड डीडीओ हर्ष गौरव, क्षेत्रीय प्रमुख सीआरजीबी अमित, जिले के सभी जनपद पंचायतों के सीईओ, बैंकों के जिला समन्वयक, तथा सरकारी प्रायोजित योजनाओं से संबद्ध सभी एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में सीडी रेशियो, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण वितरण, सरकारी प्रायोजित योजनाओं की प्रगति, तथा वार्षिक ऋण योजना (एसीपी) जैसे प्रमुख बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक का संचालन एवं समन्वय एलडीएम संजीव पाटिल द्वारा किया गया जिले के सभी अधिकारी रहे उपस्थित रहे।

रायपुर में प्रोफेसर गैंग को ड्रग्स तस्करी मामले में 5 साल की सजा

रायपुर राजधानी रायपुर में ड्रग्स पैडलिंग के हाई-प्रोफाइल प्रोफेसर गैंग के चारों आरोपियों को कोर्ट ने 5 साल की सजा सुनाई है। मुख्य आरोपी आयुष अग्रवाल, चिराग शर्मा, कुसुम हिंदुआ और महेश सिंह खड़का को कोकीन तस्करी के आरोप में धोतरे पैलेस से गिरफ्तार किया गया था। एनडीपीएस एक्ट की विशेष न्यायाधीश किरण थवाइत की कोर्ट ने यह सजा सुनाई। बता दें कि 2024 में रायपुर क्राइम ब्रांच ने मनी हाइस्ट की तर्ज पर काम करने वाले इस गिरोह का पर्दाफाश किया था। प्रारंभिक जांच में तीन शातिर तस्कर गिरफ्तार किए गए थे, जिनकी निशानदेही पर आर्यन ठाकरे नामक तस्कर को 10 लाख रुपए की ड्रग्स के साथ टिकरापारा से पकड़ा गया। जांच में खुलासा हुआ कि आर्यन ठाकरे, शुभम सोनी, अभिषेक साहू और सोनू अग्रवाल जैसे कई लोगों को ड्रग्स सप्लाई करता था और हिमाचल प्रदेश के कुल्लू-मनाली से ड्रग्स लाकर छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और पश्चिम बंगाल तक नेटवर्क फैलाया गया था।

आतंकवाद दिवस के रूप में मनाई राजीव गांधी की पुण्यतिथि

जिला एमसीबी देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की 34वीं पुण्यतिथि बुधवार को एमसीबी जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाई गई। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव के नेतृत्व में कांग्रेस जनों ने मनेंद्रगढ़ के खेड़िया टाकीज तिराहा में स्थित राजीव गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की । कांग्रेस ने श्रध्दाजंलि सभा आयोजित कर पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की 34वीं पुण्यतिथि आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाई तथा देश की एकता और अखंडता के लिए देश की विघटन कारी शक्तियों के खिलाफ एक जुट होकर लड़ने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने स्व. राजीव गांधी के जीवन में प्रकाश डालते हुए कहा कि

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी भारत के एक महान सपूत थे । जिन्होंने लाखों भारतीयों में आशा जगाई । उनके दूरदर्शी और साहसी हस्तक्षेप भारत को 21वीं सदी की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करने में सहायक थे इनमें मताधिकार की आयु घटाकर 18 वर्ष करना, पंचायती राज को मजबूत करना, दूरसंचार और आईटी क्रांति का नेतृत्व करना, कम्प्यूटरीकरण कार्यक्रम लागू करना, निरंतर शांति समझौते करना, एक सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम शुरू करना और समावेशी शिक्षा पर केंद्रित एक नई शिक्षा नीति लाना शामिल हैं ।

ट्रेलर की चपेट में आए दो युवक, एक की मौत

दुर्ग भिलाई के हथखोज स्थित इंजीनियरिंग पार्क के पास गुरुवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। परिजन को टिफिन पहुंचाने निकले दो युवक तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आ गए। हादसे में 21 वर्षीय रूपेन्द्र धृतलहरे की मौके पर मौत हो गई, जबकि उसका 14 वर्षीय चचेरा भाई निहाल धृतलहरे गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, दोनों युवक पास की कंपनी में काम करने वाले परिजन को खाना पहुंचाने बाइक से निकले थे। जैसे ही वे इंजीनियरिंग पार्क के पास पहुंचे, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। रूपेन्द्र ट्रेलर के साथ काफी दूर तक घिसटता चला गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और रूपेन्द्र के शव को सुपेला शास्त्री अस्पताल के मॉर्चुरी में भिजवाया गया। वहीं गंभीर रूप से घायल निहाल को पहले शास्त्री अस्पताल और फिर जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उसकी हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है।

राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने को लेकर अपील

कोरबा पूरे प्रदेश में अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति छत्तीसगढ़ के द्वारा विधायकों से पत्रकार सुरक्षा कानून को लेकर समर्थन मांगा जा रहा हैं। राज्यपाल के नाम ज्ञापन विधायकों अथवा जिलाधीश के माध्यम से भेजने का भी कार्य किया जा रहा हैं। जहाँ सभी विधायकों ने विधानसभा में पारित पत्रकार सुरक्षा कानून का ड्राफ्ट, कानून लागू करने के लिए भेजा था। उस पर राज्यपाल के द्वारा हस्ताक्षर नहीं किये जाने पर ड्राफ्ट पर राज्यपाल से चर्चा करने की बात कही और पत्रकारों को उनका अधिकार मिले उसके लिये अपना समर्थन भी दिया। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति ने पूरे प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने को लेकर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने का जिम्मा लिया हैं। इसी कड़ी में कोरबा इकाई से जिलाध्यक्ष अरुण सांडे की अगुवाई में राज्यपाल के नाम कोरबा कलेक्टर अजीत वसंत को ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक साहू एवं नकुल कुमार के अलावा अनेक पत्रकार साथी उपस्थित रहे। संगठन के द्वारा माननीय राज्यपाल छत्तीसगढ़ से कहा हैं कि आपके पास पूर्व में कांग्रेस की सरकार ने 2023 को पत्रकार सुरक्षा कानून विधानसभा में पारित कर उसे आपके पास सहमति के लिये भेजा गया।

गरीबी की मार और तंत्र की बेरुखी

जन्म प्रमाण पत्र के लिए चावल बेचने को मजबूर हुई माँ, शोषण और भ्रष्टाचार की मार झेल रही ग्रामीण माँ का वीडियो वायरल, प्रशासन हरकत में

कोरबा अम्बिकावाणी - एक जन्म प्रमाण पत्र के लिए कितनी बार चक्कर काटना पड़ा, और जब बना, तो पैसे भी देने पड़े- यह दर्दभरा बयान था अमीषा धनवार का, जो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में अपने आँसुओं के साथ भ्रष्ट तंत्र की कलई खोलती नजर आ रही हैं। ग्राम बंजारी निवासी अमीषा धनवार अपने बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र में नाम सुधार करवाने के लिए महीनों से बंजारी के स्वास्थ्य केंद्र का चक्कर काट रही थीं। आर्थिक रूप से बेहद कमजोर अमीषा के पास नकद पैसे नहीं थे, लिहाजा उन्होंने अपने घर का चावल बेचकर ५०० रुपये की व्यवस्था की—ताकि अपने बच्चे के अधिकार के लिए रिश्वत दी जा सके। अमीषा का आरोप है कि बंजारी उपस्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ एएनएम द्वारा प्रमाण पत्र के एवज में २०० रुपये और नाम सुधार के लिए ५०० रुपये की मांग की गई। वीडियो में अमीषा की पीड़ा स्पष्ट दिखाई देती है, जो यह दर्शाती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में किस तरह गरीबों से अवैध वसूली की जा रही है।

प्रशासन हरकत में, ताला मिला उपस्वास्थ्य केंद्र पर

वीडियो के वायरल होने के बाद पोड़ी उपरोड़ा एसडीएम के मौखिक निर्देश पर नायब तहसीलदार सुमन दास मानिकपुरी ने जांच के लिए स्थल का दौरा किया। दोपहर २ बजे जब अधिकारी उपस्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, तो वहाँ ताला लटका हुआ मिला। बाद में वे अमीषा के घर पहुँचे, जहाँ उन्होंने बताया कि ऐसी वसूली पहले भी कई बार हो चुकी है।

ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ने भी लगाए आरोप - जांच के दौरान बुलाए गए ग्राम सरपंच, उपसरपंच और अन्य ग्रामीणों ने भी पुष्टि की कि यह पहली बार नहीं है। उन्होंने बताया कि संबंधित एएनएम जानबूझकर प्रमाण पत्र में त्रुटियाँ करती है और फिर पैसे की माँग करती है। डर और दबाव के कारण अब तक कोई खुलकर सामने नहीं आया था। ग्रामीणों ने बताया कि जैसे ही यह वीडियो वायरल हुआ, आरोपी कर्मचारी घर से फरार हो गई।

प्रशासन की परीक्षा की घड़ी

यह घटना न केवल एक गरीब माँ की पीड़ा को उजागर करती है, बल्कि यह सवाल भी खड़े करती है कि आखिर कब तक गरीबों का शोषण इसी तरह होता रहेगा? स्वास्थ्य और नागरिक सेवाओं से जुड़ी ऐसी घटनाएँ शासन-प्रशासन की साख पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। अब यह देखना अहम होगा कि कोरबा जिला प्रशासन इस गंभीर मामले पर क्या ठोस कार्रवाई करता है। क्या आरोपी कर्मचारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई होगी या यह मामला भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में दब जाएगा?

पेड़-पौधों और पारिस्थितिक तंत्रों की विविधता के प्रति जागरुकता लाने...

जिले में भी मनाया गया जैव विविधता दिवस

कोरबा हर साल 22 मई को विश्व जैव विविधता दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य पृथ्वी पर मौजूद सभी जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों और पारिस्थितिक तंत्रों की विविधता के महत्व को समझाना और उनके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना है। जैव विविधता न केवल पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में सहायक है, बल्कि यह हमारी आजीविका, भोजन, जल और स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की जैव विविधता को विशेष रूप से रेखांकित किया जाना चाहिए। कोरबा केवल औद्योगिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह जैव विविधता के मामले में भी एक अद्भुत क्षेत्र है। यहां के सघन जंगल और पर्वतीय क्षेत्र अनेक वन्य जीवों और वनस्पतियों का घर हैं, जो इस क्षेत्र को पारिस्थितिकी की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध बनाते हैं। कोरबा की जैव विविधता में सबसे अनोखी बात यह है कि यहां किंग कोबरा जैसे दुर्लभ और महत्वपूर्ण प्राणी पाए जाते हैं, जो दुनिया का सबसे लंबा विषैला साँप है। यह जिलेवासियों के लिये गौरव की बात है, कि किंग कोबरा की उपस्थिति अब तक पूरे छत्तीसगढ़ में केवल कोरबा जिले में ही दर्ज की गई है। यह इस क्षेत्र की जैव विविधता की विशेषता को दर्शाता है। इसके अलावा कोरबा के जंगलों में हाथी, तेंदुआ, भालू, जंगली बिल्ली, सांभर, शाही, कहट, ऊदबिलाव, उड़न गिलहरी, कबर बज्जू, हिरण, लंगूर, विभिन्न प्रजातियों के पक्षी, सरीसृप और कीट भी बड़ी संख्या में पाए जाते हैं।

कोरबा की जैव विविधता यह सिद्ध करती है कि यह क्षेत्र केवल खनिज और ऊर्जा संसाधनों में ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक संपदा में भी अत्यंत धनी है। इस समृद्ध वन्य जीवन को बचाना और समझना, न केवल पर्यावरण के लिए आवश्यक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक जिम्मेदारी भी है।

विश्व जैव विविधता दिवस पर हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि कोरबा की जैव विविधता को संरक्षित करने के लिए सामूहिक प्रयास करेंगे और इस अनमोल धरोहर को बचाए रखने में अपना योगदान देंगे।

रनिंग होलपैक डंपर हुआ हादसे का शिकार

कोरबा साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स कोरबा क्षेत्र की मानिकपुर खदान में अर्ध रात्रि एक बड़ा हादसा हो गया। रात्रि लगभग 12 बजे एक भारी-भरकम होल पैक डंपर चलते वक्त अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घटना के दौरान डंपर का पिछला हिस्सा अचानक टूट गया, जिससे दो पहिये वाहन से अलग हो गए। इस हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और खदान में कार्यरत श्रमिकों में दहशत फैल गई। जानकारी के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त डंपर का संचालन कर रहे वाहन चालक को इस हादसे में गंभीर चोटें आई हैं। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें तत्काल पास के एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

C M Y K

अम्बिकावाणी

रायपुर, शनिवार 24 मई, 2025

यदि आप बहुत अधिक लोगों पर निर्भर रहते हैं तो इससे आपके निराश होने के लिए अवसर बढ़ जाते हैं।

0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

ट्रंप की गोल्ड कार्ड योजना

कई देशों को चिंता में डाल दिया है तो कई देशों को अपनी अमेरिकी नीति पर पुनर्विचार करने पर बाध्य कर दिया है। भारत भी ट्रंप की घोषणाओं और उसके क्रियान्वयन से अछूता नहीं है।

अवैध प्रवासियों की अपमानजनक वापसी की धमक भारत झेल ही रहा था कि अब उसे गोल्ड कार्ड भी परेशानी में डाल रहा है। ट्रंप की गोल्ड कार्ड योजना वास्तव में क्या है किसी के समझ में नहीं आई है। इस योजना के मुताबिक 50 लाख अमेरिकी डॉलर यानी करीब 44 करोड़ रु पये देकर कोई भी विदेशी नागरिक अमेरिका में बस सकता है और तीव्र गति से अस्थाई नागरिकता प्राप्त करने के लिए अग्रसर हो सकता है।

पहली बात तो यह है कि लोग धन कमाने के लिए लोग धन कमाने के लिए अमेरिका जाना चाहते हैं, अपना धन लेकर अमेरिका में बसना नहीं। यहां ट्रंप अमेरिका को एक बिकाऊ माल की तरह बेचना चाहते हैं जैसे कोई अच्छी जमीन बेची जाती है। यानी ट्रंप अमेरिका को ऐसे स्वर्ग के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं जहां किसी भी देश का कोई व्यक्ति 50 लाख अमेरिकी डॉलर खर्च कर बसना चाहेगा। क्या सचमुच अमेरिका ऐसा स्वर्ग है? अगर भारत की बात करें तो यहां बहुत बड़ी संख्या धनपतियों की है जिन्होंने अनेकानेक गैर कानूनी तरीकों से धनी इका किया है और वह इसकी सुरक्षा चाहते हैं। ऐसे लोग भारत में सीधे राजनेताओं या राजनीतिक दलों को अपनी सुरक्षा के लिए धन उपलब्ध कराते हैं। चुनावी चंदे में इस तरह के कई मामले उजागर हुए थे। दूसरी बात जो ट्रंप ने प्रतिभावान विदेशी छात्रों के बारे में कही जो अमेरिका में पढ़ाई करने के बाद नागरिकता नहीं मिलने के कारण अपने मूल देश में लौटकर व्यापार करते हैं और करोड़ों में खेलने लगते हैं। सवाल है कि कोई अमेरिकी कंपनी 50 लाख डॉलर देकर ऐसे प्रतिभावान उद्योगों को नौकरी देने में रु चि क्यों दिखाएगी। इसका कोई ठोस तर्क सामने नहीं है। बहरहाल, जनता की गाढ़ी कमाई को अमेरिका में ले जाकर बसने के भ्रष्ट पूंजीपतियों को गोल्ड कार्ड ने जरूर सुनहरा अवसर दिखा दिया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गोल्ड कार्ड ने पूरी दुनिया को चकमका दिया है। ट्रंप जो कहते हैं वह हमेशा कर भी दें इसकी कोई गारंटी नहीं है। और इसकी भी कोई गारंटी नहीं की जो वह करना चाहते हैं उसे सचमुच कर पाएं, मगर इतना तय है कि उन्होंने पदभार संभालते ही जिस तरह का धूम-धड़ाका किया है उसने कई देशों की नींद उड़ा दी है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट -25: समृद्धि, आर्थिक सशक्तिकरण और वैश्विक सम्मान का अद्भुत आयाम

रमेश शर्मा

भोपाल में संपन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट केवल निवेश और औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं है। इससे पूरे भारत के समग्र विकास और आर्थिक समृद्धि के नये द्वार खुले हैं। इसके साथ यह समिट वैश्विक स्तर पर मध्यप्रदेश की छवि और सम्मान बढ़ाने का भी माध्यम बनी। यह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट केवल औद्योगिक विकास तक सीमित नहीं है। इसके बहुआयामी लाभ होंगे। जिस प्रकार यह संसार दो प्रकार का है। एक दृश्यमान और दूसरा अदृश्यमान।

सृष्टि की कुछ ऊजाएँ ऐसी हैं जो दिखाई नहीं देतीं फिर भी जीवन संचालन में सहयोगी होतीं हैं। उसी प्रकार निवेश इस इन्वेस्टर्स समिट के निवेश प्रस्तावों के आकार लेने के बाद इसका परोक्ष प्रभाव भी मध्यप्रदेश के समाज जीवन पर होगा। इसके लिये मध्यप्रदेश सरकार ने समिट आयोजन से पहले कुछ अतिरिक्त तैयारी की है और औद्योगिक विकास को विरासत से भी जोड़ा है। यह प्रदेश आध्यात्मिक, साँस्कृतिक, प्राकृतिक और धार्मिक स्थलों का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। मध्यप्रदेश सरकार ने इन सबको जोड़कर धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन की विधाएँ जोड़कर इन क्षेत्रों में निवेशकों को आमंत्रित किया था। इन चारों विधाओं में मध्यप्रदेश का स्थान सबसे अलग है। इतिहास में जहाँ तक दृष्टि जाती है, वहाँ मध्यप्रदेश की छवि एक समृद्ध और प्रतिष्ठित भूक्षेत्र के रूप में उभरती है। लाखों वर्ष पुरानी मानव सभ्यता के चिन्ह हैं। समय के साथ भले स्वरूप बदला हो, राजनैतिक सीमाएँ बदलीं, नाम बदले लेकिन मध्यप्रदेश की प्रसिद्धि बनी रही। वैदिक काल से लेकर मध्यकाल तक पूरे विश्व में मध्यप्रदेश आकर्षण का केन्द्र रहा है। यही कारण था कि हर काल-खंड विदेशी पर्यटक भारत आते रहे है। ह्येनसाँग और फाह्यान से लेकर अल्बरूनी तक और कनिघंम से लेकर स्मिथ तक भारत आने वाला कोई शोधकर्ता ऐसा नहीं जो मध्यप्रदेश न आया हो। इन सबके लेखन में मध्यप्रदेश को समृद्धियों का उल्लेख है। मध्यप्रदेश के वैभव और समृद्धि की झलक कण कण में बिखरी है। इसे संजोने में वाकणकर जी ने अपना जिवन समर्पित कर दिया था। इन सभी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक स्थलों की कहानियाँ, अनूठे चिन्ह, खनिज एवं वन्य संपदा की विविधता भी पर्यटकों को आकर्षित करती रही है। यही प्रसिद्धि मध्यकाल मध्यप्रदेश के विनाश का कारण बनी थी। लगातार आक्रमणों से यह प्रदेश विपन्नता के अंधकार में डूब गया। ऐसा अंधकार कि इसकी छवि एक बीमारू राज्य की बन गई। स्वतंत्रता के बाद भी राजनैतिक कारणों से अनेक स्वरूप बदले गये। मध्यप्रदेश के वर्तमान स्वरूप की सीमाएँ नवम्बर 2000 में बनीं। और विकास की नई यात्रा आरंभ हुई। इसके साथ प्रदेश के औद्योगिक विकास पर जोर दिया गया। डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में वर्तमान सरकार ने विकास यात्रा को नये आयाम दिये। डॉ मोहन यादव ने मोदी मंत्र विकास के साथ विरासत का अमल करते हुये अपने कदम आगे बढ़ाये। कार्यभार संभालने के पहले दिन से डॉ मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी के इसमंत्र पर काम करना आरंभ किया और भारत को विश्व का सबसे समृद्ध राष्ट्र बनाने के उनके संकल्प को पूरा करने केलिये मध्यप्रदेश की सहभागिता सुनिश्चित करने की दिशा में भी कदम बढ़ाये। यह तभी संभव है जब भारत का प्रत्येक प्रदेश विकसित और उन्नत हो। 24-25 फरवरी को भोपाल में सम्पन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट इसी दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

समिट की तैयारियों का होमवर्क

मध्यप्रदेश की यह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट अचानक आयोजित नहीं हुई। इससे पहले राज्य सरकार ने पर्याप्त होम वर्क किया था। यह होमवर्क तीनों प्रकार से हुआ। एक ओर मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले में पानी, बिजली, परिवहन और भूमि की उपलब्धता का विवरण तैयार किया गया, दूसरी ओर भारत ही नहीं पूरे संसार के प्रतिष्ठित उद्योग समूहों से उनकी रुचि के उद्योगों को प्राथमिकता में रखकर चर्चा की गई और तीसरा मध्यप्रदेश में रीजनल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन हुये। सरकार के केवल चौदह महीने के कार्यकाल में सात रीजनल इन्वेस्टर्स समिट संपन्न हुईं। इन तीनों प्रकार की तैयारी के बाद यह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन हुआ। इन चौदह महीनों में मध्यप्रदेश में निवेश प्रस्तावों का मानों एक नया कीर्तिमान बनाया है। कुल 30.77 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिससे 21.40 लाख नए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। इस ग्लोबल समिट में 300 से अधिक प्रमुख उद्योगों के चेयरमैन, सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर्स ने समिट में हिस्सा लिया। भारत का ऐसा कोई उद्योग समूह नहीं जिसके प्रतिनिधि इस समिट में सहभागी न बने हों। उनके साथ 600 से अधिक बिजनेस टू गवर्नमेंट और 5,000 से अधिक बिजनेस टू बिजनेस बैठकें हुईं। निवेशकों और सरकार के बीच इस संवाद से औद्योगिक विकास की दिशा में एक मजबूत विश्वास बढ़ा है।

इस ग्लोबल समिट में विभिन्न सेक्टर्स के पच्चीस हजार से अधिक पंजीयन हुये और विभिन्न सेक्टर्स के 85 एम ओ यू पर हस्ताक्षर हुये। इस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के साथ मध्यप्रदेश का नाम निवेश की दुनियाँ में चर्चित हुआ और देश में तीसरे स्थान पर आ गया। इस समिट से औद्योगिक विकास और युवाओ को रोजगार के अवसर के साथ समृद्धि के नये द्वार खुले हैं। मध्यप्रदेश की गणना अब वैश्विक स्तर पर भी होने लगी। इस समिट की तैयारी में प्रदेश के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के विकास एवं उनको वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने की दिशा में भी काम हुआ।

धार्मिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक पर्यटन

प्रदेश की साँस्कृतिक, ऐतिहासिक और विविध प्राकृतिक स्थलों को पर्यटन से जोड़कर निवेश आमंत्रित किये गये। निवेशकों ने इस दिशा में भी अपनी रूचि दिखाई। विंध्य, सतपुड़ा और अरावली पर्वतमाला से घिरी मध्यप्रदेश की यह धरती अपनी प्राकृतिक, साँस्कृतिक, ऐतिहासिक और लोक संस्कृति की विविधताओं के लिये संसार भर में प्रसिद्ध हैं। रॉक शेल्टर, गर्म पानी के झरने, हरे-भरे हिल स्टेशन, घाटियाँ, गुफाएँ वन्य जीवों और वनस्पति से भरे वन, उनका अद्भुत प्राकृतिक सौन्दर्य पर्यटकों केलिये सहज आकर्षण का केन्द्र हैं।

2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन पर पहुंचने का लक्ष्य

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

वर्ष 2015 का पेरिस जलवायु समझौता धरा के तापमान को औद्योगिक चरण के आने के पहले के स्तर से 2030 तक 2 डिग्री सेल्सियस कम करने के लिए हुआ था। चूंकि पृथ्वी की गर्मी बढ़ाते कुल गैसीय उत्सर्जनों में कार्बन डाई ऑक्साइड लगभग 70 प्रतिशत है। अतः ग्लोबल वार्मिंग को 15 डिग्री से ग्रे तक सीमित रखने के लिए 2050 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन पर पहुंचने का लक्ष्य भी वैश्विक स्तर पर अपना लिया गया है, परंतु विडंबना है, और कटु यथार्थ भी कि इसे पाने के औजार के रूप में एक ट्रेडिंग गतिविधि को महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है।

इसी क्रम में 10-24 नवम्बर के बीच बाकू में कार्बन बाजार पर अंतरराष्ट्रीय मानक स्थापित करना बड़ी उपलब्धि माना गया है। कॉप-29 को तो वित्तीय कॉप भी कहा गया था और कार्बन ट्रेडिंग भी वित्तीय गतिविधि ही है। वायुमंडल में मौजूद कार्बन उत्सर्जनों को हटाने और नये कार्बन उत्सर्जनों को न पहुंचने देना प्रोत्साहित हो इसके लिए 2015 में पेरिस समझौते में स्पष्ट कर दिया गया था कि कार्बन को देशों या संस्थाओं के बीच खरीदा-बेचा जा सकता है। इस लेन-देन को कार्बन क्रेडिट के रूप में परिभाषित कर हस्तांतरणीय दस्तावेज बना कर स्थापित किया गया है। यूनाइटेड नेशंस के क्योटो प्रोटोकोल (1997) और फिर 2005 में कार्बन को खरीदने-बेचने या व्यापार की जा सकने योग्य सामग्री पहले ही करार दिया जा चुका था किंतु पेरिस समझौते के अंतर्गत जो एक नया ज्यादा सुदृढ़ कार्बन ट्रेडिंग फ्रेमवर्क बनाए जाने की आवश्यकता थी, वह शुरूआती हस्ताक्षर के बाद कॉप-29 में हो सका। निस्संदेह इस अधूरे कार्य के रहते भी देशों के भीतर और देशों के बाहर कार्बन ट्रेडिंग हो रही थी किंतु एकरूप मानक न होने तथा पारदर्शिता के अभाव से अनेकों झूठे कार्बन क्रेडिटों का विश्व स्तर पर लेन-देन भी हो रहा था। ऐसे में लाखों और अरबों डॉलर के भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी भी हुई। स्वैच्छिक कार्बन बाजार में सबसे ज्यादा कार्बन क्रेडिट वो हैं जो अवनत वनों के कार्बन अवशोषक के रूप में सुधार, पुर्नस्थापना के लिए दिए जाते हैं। किंतु ये सबसे ज्यादा विवादों में भी रहते हैं। वन स्थितियों की बेसलाइन में छेड़छाड़ से ज्यादा कार्बन ऑफसेट दिखाया जा सकता है। जितना कार्बन हटाने का क्रेडिट लिया था उतना कार्बन डाइअक्साइड तो उससे हटा ही नहीं था। कॉप-29 के पहले 'नेचर पत्रिका में ऐसी परियोजनाओं का अध्ययन प्रकाशित हुआ था, जिन्होंने करीब एक अरब टन कार्बन डाई ऑक्साइड के समतुल्य का कार्बन क्रेडिट कमाया था। उसमें से 15 प्रतिशत कार्बन ही कम किया था। अब खराब और अच्छे गुणवत्ता में कार्बन क्रेडिटों का वर्गीकरण या पहचान भी की जा रही है। कार्बन ट्रेडिंग में कार्बन क्रेडिटों के लेन-देन का व्यापार होता है। कार्बन क्रेडिट की एक इकाई एक मीट्रिक टन कार्बन डाइआक्साइड या उसके समतुल्य अन्य ग्रीन हाऊस गैसों को वायुमंडल से हटाने या उनको वायुमंडल में पहुंचने से रोकने पर दी जाती है। कार्बन ऑफसेट में कार्बन डाइआक्साइड या ग्रीन हाऊस गैसों को हटाया या पुनचक्रित किया जाता है। जो उद्यम अथवा प्रतिष्ठान उपकरणों, पद्धतियों या टैक्नोलॅजी के बदलावों से अपने कार्बन उत्सर्जन पहले की अपेक्षा कम कर देते हैं तो वे भी कार्बन क्रेडिट्स पाने के हकदार हो जाते हैं। अभी वैश्विक स्तर पर करीब दो अरब डॉलर का स्वैच्छिक कार्बन मार्केट है। यह एक खरब डॉलर तक भी पहुंच सकता है।

कार्बन क्रेडिटों का उपयोग ही उन्हें यूरोपीय संघ में निर्यात जारी रखने का पात्र बनाएगा क्योंकि यूरोपीय संघ उन उत्पादों के आयात पर भी कार्बन टैक्स लगाने का मंतव्य जतला चुका है, जो उसके अपने मानकों से ज्यादा कार्बन उत्सर्जन से उत्पादित हुए हैं। देशों में पेट्रोल, कोयले जैसे जीवाश्म ईंधनों के उत्पादन बढ़ ही रहे हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घोषित कार्बन उत्सर्जन कटौती प्रतिबद्धता लक्ष्यों को उनके खरीदे कार्बन क्रेडिट्सों के मुआवजे से ही पूरा करने की जरूरत होगी। चिंताजनक है कि अधिकांश देश या उद्यम दुनिया के लक्ष्यों के अनुसार अगले दो-तीन दशकों के भीतर ही कार्बन न्यूट्रल तो होना चाहते हैं किंतु इसे कोयला, पेट्रोल जैसे जीवाश्म ईंधनों के उपयोगों और उत्पादनों को छोड़ते हुए नहीं करना चाहते, बल्कि इसे अन्यत्र किसी को मिली कार्बन क्रेडिट खरीद कर अपने ज्यादा कार्बन उत्सर्जन की एवज में देकर पूरा करना चाहते हैं। जो प्रतिष्ठान अपने खाते में स्वयं अर्जित या किसी से खरीद कर कार्बन क्रेडिट जोड़ लेते हैं तो उससे वे अपनी कार्यवाहियों के कार्बन फुटप्रिंट कम कर सकते हैं। प्रति इकाई कार्बन क्रेडिटों के बाजार भाव में मांग के अनुसार उतार-चढ़ाव आता रहता है। जब दाम बहुत नीचे गिर जाएंगे तब तो प्रदूषण जारी रखना भी लाभ का सौदा ही रहेगा। तो फिर धनी लोग किसी गरीब देश से जंगल उगवा कर और उससे कार्बन ऑफसेट हासिल कर अपने घातक धरा को गरम करते गैसीय प्रदूषणों को जारी रखेगा। इसके लिए खेती की जमीनों के उपयोग की भी आशंका है। ऐसे में गरीब देशों में खाद्य संकट भी गहरा सकता है। कार्बन क्रेडिट विक्रेता के कंधे पर चढ़ कर कुछ कार्बन उत्सर्जन पैदा करतीं नामी-गिरामी कंपनियां अपने को नेट जीरो कार्बन और नेगेटिव कार्बन उत्पादक घोषित कर अपनी छवि भी सुधार रही हैं। इसे ग्रीनवॉशिंग भी माना जा सकता है। समझ लीजिए, किराये की कोख से संतान पैदा करवा रही हैं किंतु किसी भी उद्योग द्वारा दूरस्थ कहीं के कार्बन क्रेडिट खरीद कर स्थानीय स्तर पर उत्सर्जन छोड़ते ढें पर काम बदस्तूर जारी रखा जाए यह तो यह न्यायिक नहीं है। स्थानीय कार्बन प्रदूषण पर कटौती करना जनस्वास्थ्य पर होने वाले कुप्रभाव कम करने के लिए आवश्यक है ही। कार्बन क्रेडिट के संदर्भ में मुख्य बात यह है कि अब इसके बड़े-बड़े खरीददार इसका मूल्य भी लगा रहे हैं। अतः कार्बन क्रेडिट अर्जित करना पर्यावरण सुधार के साथ आय का जरिया भी हो सकता है। चाहे लालच हो या कोई अन्य कारण, विश्व में कार्बन क्रेडिट्स यदि बढ़ेंगे तो परिणाम वायुमंडल में गरम करने वाली गैसों का बढना रुकना और कम होना ही होगा।

तंबाकू सेवन एक वैश्विक स्वास्थ्य और आर्थिक संकट

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के नेतृत्व में एक ऐसी संधि ने बीस साल पूरे कर लिए हैं, जिसका दुनिया भर में जन स्वास्थ्य को व्यापक लाभ मिला है। विश्व में फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन टोबैको कंट्रोल (एफसीटीसी) नामक यह संधि 27 फरवरी 2005 को हुई थी। अब इसे इतिहास की ऐसी पहल के रूप में स्वीकार्यता मिल गई है जिसे न केवल व्यापक रूप से अपनाया गया है बल्कि जिसके अपेक्षित परिणाम भी सामने आए हैं। इस संधि की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसकी बदौलत लाखों लोगों की जान बचाने में कामयाबी मिली है। मानवता के लिए एक गंभीर संकट बन चुके तंबाकू के दुष्प्रभावों को कम करने में इस संधि की भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

यह सर्वविदित है कि तंबाकू मानवता के लिए एक अभिशाप बन चुका है। यह दुनिया में कैंसर, टीबी जैसी बीमारियों और उनकी वजह से होने वाली मौतों कारण बन रहा है। तंबाकू के कारण हर साल लाखों लोग मौत के मुंह में चले जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में 20 प्रतिशत हृदय रोगियों की मौत के लिए तंबाकू ही जिम्मेदार है। इसके अलावा यह सामाजिक एवं आर्थिक दबाव भी बढ़ाता है जिससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार अधिक प्रभावित होते हैं। संधि के तहत कई प्रभावी उपाय अपनाए गए हैं जिनका सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। वर्तमान में दुनिया के 138 देशों में सिगरेट के पैकेटों पर चेतावनियां दी जाती हैं, जिससे उपभोक्ताओं को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कई देशों में तंबाकू उत्पादों की पैकेजिंग को साधारण कर दिया गया है, जिससे ब्रांडिंग और आकषर्क डिजाइन की संभावनाओं को समाप्त करने में मदद मिली है।

यह कोई छोटी बात नहीं है कि इस संधि की बदौलत तंबाकू विज्ञापनों और प्रमोशन पर 66 से अधिक देशों में प्रतिबंध लगाया जा चुका है। सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों और अन्य बंद इमारतों में धूम्रपान निषेध से निष्क्रिय धूम्रपान के कारण होने वाले नुकसान को भी कम करने में मदद मिली है। इससे ऐसे लोगों का जीवन बचाने में सहायता मिली है, जो खुद सिगरेट का प्रयोग नहीं करते पर धूम्रपान करने वाले अन्य लोगों की वजह से इसका खतरा झेलते हैं। इसके परिणामस्वरूप, वि की एक चौथाई आबादी ऐसी नीतियों के दायरे में आ चुकी है, जिससे तंबाकू सेवन की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई है।

डब्ल्यूएचओ ने संधि की 20 वीं वषर्गांठ के मौके पर कहा है कि तंबाकू के दुष्प्रभावों से बचाव पर केंद्रित यूएन संधि ने पिछले दो दशकों में लाखों-करोड़ों जिंदगियों की रक्षा करने में मदद की है। यह एक तथ्य है कि तंबाकू गैर संचारी रोगों का एक बड़ा कारण है जो न केवल असामयिक मौतों का कारण बनता है,

0 अमरपाल सिंह वर्मा

अम्किावाणी-वर्गपहेली 1336

1	2	3		4	5	6	
7				8			
			9				10
	11	12		13		14	
15			16			17	
18					19		
		20		21			22
23				24			

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1949 को इस राज्य को भारत में शामिल किया गया (3)
4. हरियाणा के प्रमुख राजनीतिज्ञ जो भारत के उपप्रधानमंत्री रहें (4)
7. वैश्वांतर दानव की चार पुत्रियों में से एक, शत्रुघ्न सिन्हा द्वारा निर्मित फ्लॉप फिल्म (3)
8. यदि ऐसा न होगा तो (3)
9. निगोड़ा, नाकारा (2)
11. एक बार सांस लेने का समय (2)
13. मथुरा से करीब 20 किमी दूर स्थित वृंदावन का एक गांव जहां नंद रहते थे (4)
15. उत्तरप्रदेश के इस शहर का नाम परिवर्तित कर प्रयागराज कर दिया गया है (5)
17. पैना किनारा, राजा भोज की नगरी (2)
18. जीव-जंतुओं के शरीर के त्वचा में से निकले सूक्ष्म तंतु (2)
19. यह बतौर नायिका पूनम ढिल्लों की पहली फिल्म थी (2)
20. हिलने-डुलने की क्रिया, गति (4)
23. पति-पत्नी का कानूनी रूप से संबंध विच्छेद (2)
24. सूर्यपुत्र कर्ण को यह भी कहते थे (4)

ऊपर से नीचे

1. तीनों काल (भूत, वर्तमान, भविष्य)(3)
2. इसे अंग्रेजी में ब्रिज कहते है (2)
3. पूर्णिमा की रात यह भी कहलाती है (2)
4. फिल्म इंडस्ट्री में मठाधीश अभिनेता जिनका निधन 3 दिसंबर 11 को हुआ था (5)
5. बहादुर, योद्धा, शूर (2)
6. ले आना, उपस्थित करना (2)
10. क्रोधपूर्ण दृष्टि, क्रोध सूचक भ्रूभंग (3)
11. मध्यस्थ, ब्रोकर (3)
12. बहुत बड़ा, महान, सर्वश्रेष्ठ (2)
14. पुराणानुसार यह गांधार देशाधिपति सुबल की पुत्री थी (3)
15. उपासना, आराना, पूजा (उर्दू)(4)
16. यह भारत में मुगल साम्राज्य का संस्थापक था (3)
19. नया, नवीन, नव (3)
20. अधिकार, इख्तियार (2)
21. किस समय, किस वक्त (2)
22. वीर, बहादुर, योद्धा (2)

वर्ग पहेली 1335 का हल

क	त	र		का	न	पु	र
ल	ह	क	ना		ग	ज़ा	
आ		मी	ना	कु	मा	री	
ज	ल		ना	ल			सा
औ	ला	द		प	खा	व	ज
र	ट	ना		ति	ल	क	
क		द	स्ता			अ	ब
ल	गा	न		स	म	त	ल

एकदा

घर बैठे पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है, पोर्टल संपदा 2.0 में

मध्यप्रदेश में विकसित की गई ई-पंजीयन एवं ई-मुद्रांक इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली का नवीन संस्करण 2.0 विकसित किया गया है। इससे नागरिकों को और बेहतर सुविधाएं प्रदान करने में मदद मिली है। संपदा 2.0 से कोई भी व्यक्ति अब घर बैठे निर्धारित दस्तावेजों का पंजीयन कर सकता है। इसके लिये विभागीय पोर्टल पर कोई भी व्यक्ति स्वयं पंजीकृत होकर अपने दस्तावेज का पंजीयन अथवा ई-स्टाम्प जारी कर सकता है। राज्य सरकार ने इसकी प्रक्रिया को बहुत सरलीकृत कर दिया है। अब दस्तावेजों के पंजीयन के लिये कार्यालय आने अथवा सेवा प्रदाता की सेवाएं लेने की आवश्यकता नहीं रही है। संपदा 2.0 पोर्टल में पंजीयन कार्य करने वाले पक्षकारों की ₹आधार₹ बेस्ड ई-केवायसी होगा। इसमें पेन कार्ड का सत्पापन आयकर विभाग के इंटीग्रेटेड सिस्टम पर आधारित होगा। संपत्ति की पहचान यूनिक आईडी से की जा सकेगी। संपत्ति की जियो मैपिंग के आधार पर ही गाइडलाइन दर निर्धारित होगी। इस आधार पर स्वतः ही संपत्ति का मूल्यांकन हो जायेगा। इस सॉफ्टवेयर में ऑटोमेटिक प्रारूप आधारित लेखन की व्यवस्था की गई है। शुल्कों के भुगतान के लिये संपदा वॉलेट मौजूद है। समस्त भुगतान सायबर ट्रेजरी या संपदा वॉलेट से सिंगल क्लिक द्वारा किया जा सकता है। पोर्टल में दस्तावेजों के निष्पादन की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल हस्ताक्षर आधारित किया गया है।

० संतोष मिश्रा

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

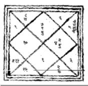

चौघड़िया

09:03 से 10:43 तक-चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। इस राशि के जो लोग किसी बिजनेस से जुड़े हैं उनके लिए आज लाभ का दिन है। आज आपको कुछ सम्मानित लोगों का स्नेह मिलेगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। प्रोजेक्ट में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। ऑफिस के कामों में दूसरों की राय लेने से बचें। बेहतर यही होगा की किसी अपनों की काम में मदद लें तो काम आसानी से सफल होंगे।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी कठिन परिस्थितियों में आपका परिवार आपकी ढाल बनकर सामने रहेगा, इससे आपको साहस मिलेगा। आज आपको शहर में जॉब करने के नए अवसर मिलेंगे।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज किसी भी अनजान व्यक्ति पर आंख बंद करके विश्वास न करें। आज घर के बड़े-बुजुर्गों का खास ख्याल रखने की जरूरत है, समय से दवाई दे। लेखनों की किताब पब्लिश हो सकती है,

सिंह राशि :आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी समारोह में शामिल होंगे आपकी उपस्थिति को महत्व मिलेगा। आज आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जिससे आप प्रभावित होंगे। अगर आपका पैसा कहीं फंसा है तो उसे हासिल करने के लिए आज अच्छा दिन है।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप करीबी व्यक्ति के बारे में गहराई से विचार करके रिश्ता सुधारेंगे। आज आपको बड़ी उपलब्धि हासिल होगी।

तुला राशि : आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपने बड़े भाई से प्रॉपर्टी से रिलेटेड बात करेंगे और फाइनेंस संबंधित कुछ योजनाएं बनेगी। आज आप परिवार को जोड़कर रखने की भूमिका निभाएंगे।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपकी आर्थिक स्थित मजबूत बनी रहेगी। आप सामान की खरीददारी करने मार्केट जा सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों का समय अनुकूल है मेहनत के अच्छे परिणाम हासिल होंगे।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपका रुका काम पूरा होने से शांति महसूस करेंगे। आप काम करने के नए तरीकों पर विचार करेंगे। आज कार्यस्थल पर आपके काम से लोग प्रभावित होकर आपसे काम सीखना चाहेंगे।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आप ऑफिस में बॉस द्वारा दिये गये काम को अपनी पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ करेंगे तो आपका इन्क्रीमेंट होगा।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपके घर किसी मेहमान के आने से खुशियां ही खुशियां होंगी। लेकिन किसी काम को कुछ देर तक के लिए कैंसिल करना पड़ सकता है।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति से कुछ नया सीखेंगे, लोगों के लिए आज आपका रवैया अच्छा रहेगा।

कई मायनों में बेहद शुभ है शनि जयंती, ऐसे करें रवि पुत्र को प्रसन्न

शनि जयंती के दिन भगवान शनि की पूजा होती है। उन्हें सेवा और व्यापार जैसे कर्मों का स्वामी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि उनकी पूजा करने से जीवन में खुशियों का आगमन होता है। साथ ही कुंडली से अशुभ ग्रहों का प्रभाव समाप्त होता है तो चलिए उन्हें प्रसन्न करने के लिए कुछ ज्योतिष उपाय जानते हैं -

हिंदू धर्म में शनि देव की पूजा बहुत शुभ मानी जाती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, उनकी पूजा करने से अक्षय फलों की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन में अन्याय का सामना नहीं करना पड़ता है। वे कर्मों के आधार पर सभी के साथ न्याय करते हैं, इसलिए उन्हें कर्मफल दाता भी कहा जाता है। शनि जयंती के दिन भगवान शनि की पूजा का विशेष महत्व है। इस बार शनि जयंती 27 मई को मनाई जाएगी। ऐसी मान्यता है, जो लोग इस दिन भाव के साथ रवि पुत्र की पूजा करते हैं उन्हें मनचाहा वरदान प्राप्त होता है।

शनि जयंती क्यों है इस बार खास?

शनि जयंती इस साल 27 मई को मनाई जा रही है। इस दिन कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पड़ रही है। इस दौरान सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। इसके अलावा इसी दिन वट सावित्री का पर्व मनाया जाएगा। ऐसे में इन विशेष तिथियों का एक साथ पड़ना बेहद ही शुभ संयोग माना जा रहा है, जिसके चलते शनि जयंती इस बार अपने आप में बेहद खास होने वाली है।

शनिदेव की ऐसे प्राप्त करें कृपा

ऐसी मान्यता है कि भगवान शनि देव का जन्म इसी दिन और सर्वार्थ सिद्धि योग में ही हुआ था। ऐसे में शनि जयंती न्याय के देवता के जन्म का प्रतीक मानी जाती है। सुबह उठकर स्नान के बाद भगवान शनि देव की विधि अनुसार पूजा करें। पीपल के वृक्ष पर प्रातः ही जल चढ़ाएं।

इसके साथ ही शाम के समय उनके समक्ष और पीपल के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं। ऐसा करने से शनि देव प्रसन्न होते हैं। साथ ही सभी कार्यों में सिद्धी प्राप्त होती है।

पूजा की विधि

- प्रातः काल उठकर नित्यकर्म से निवृत्त होकर पूजा स्थान की सफाई करें।
- किसी लकड़ी के पाट पर काला या लाल वस्त्र लेकर बिछाएं और उस पर शनिदेव की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें।
- अब शनिदेव की मूर्ति या तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित करें।
- अब शनिदेव की मूर्ति या तस्वीर पर तेल, फूल माला और प्रसाद अर्पित करें। फिर उनके चरणों में काली उड़द और तिल चढ़ाएं। पंचोपचार या षोडशोपचार पूजा करें।
- इसके शनि चालीसा का पाठ करें और व्रत का संकल्प लें।
- इसके बाद शनिदेव की आरती उतारें और प्रसाद का वितरण करें। शाम को भी चालीसा पढ़ें और आरती करें।

सौभाग्यवती स्त्रियों का महत्वपूर्ण पर्व है वट सावित्री

इस वर्ष वट सावित्री व्रत पर्व 26 मई सोमवार को मनाया जा रहा है। यह व्रत अखंड सौभाग्य पाने के लिए जाना जाता है। महिलाओं का वट सावित्री अमावस्या के दिन सावित्री ने यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राणों की रक्षा की थी। हिन्दू धर्म में वट सावित्री अमावस्या सौभाग्यवती स्त्रियों का महत्वपूर्ण पर्व है। इस व्रत को ज्येष्ठ कृष्ण त्रयोदशी से अमावस्या तक तथा ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी से पूर्णिमा तक करने का विधान है।

मान्यता है कि वट सावित्री व्रत करने से पति दीर्घायु और परिवार में सुख शांति आती है। पुराणों के अनुसार वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु व महेश तीनों का वास है। इस व्रत में बरगद वृक्ष चारो ओर घूमकर सौभाग्यवती स्त्रियां रक्षा सूत्र बांधकर पति की लंबी आयु की कामना करती हैं। वट सावित्री व्रत में 'वट' और 'सावित्री' दोनों का खास महत्व माना गया है। पीपल की तरह ही वट या बरगद वृक्ष का भी विशेष महत्व है। इस व्रत को सभी प्रकार की स्त्रियां यानी कुमारी, विवाहिता, कुपुत्रा, सुपुत्रा, विधवा आदि करती हैं। इस व्रत को स्त्रियां अखंड सौभाग्यवती रहने की मंगलकामना से करती हैं। आजकल अमावस्या को ही इस व्रत का नियोजन होता है। इस दिन वट (बड़, बरगद) का पूजन होता है।

पूजा विधि

- वट सावित्री अमावस्या के दिन प्रातःकाल घर की सफाई कर नित्य कर्म से निवृत्त होकर स्नान करें।
- तत्पश्चात पवित्र जल का पूरे घर मे छिड़काव करें।
- इसके बाद बांस की टोकरी में सप्त धान्य भरकर ब्रह्मा की मूर्ति की स्थापना करें।
- ब्रह्मा के वाम पार्श्व में सावित्री की मूर्ति स्थापित करें।
- इसी प्रकार दूसरी टोकरी में सत्यवान तथा सावित्री की मूर्तियों की स्थापना करें। इन टोकरियो को वटवृक्ष के नीचे ले जाकर रखे।
- इसके बाद ब्रह्मा तथा सावित्री का पूजन करें।
- अब निम्न श्लोक से सावित्री को अर्घ्य दें- अवैधव्यं च सौभाग्यं देहि त्वं मम सुव्रते। पुत्रान्‌ पौत्रांश्च सौख्यं च गृहाणार्घ्यं नमोस्तुते।।
- तत्पश्चात सावित्री तथा सत्यवान की पूजा करके बड़ की जड़ में पानी दें।
- इसके बाद निम्न श्लोक से वटवृक्ष की प्रार्थना करें- यथा शाखाप्रशाखाभिर्वृद्धोसि त्वं महीतले। तथा पुत्रैश्च पौत्रैश्च सम्पन्नं कुरु मा सदा।।
- पूजा में जल, मौली, रोली, कच्चा सूत, भिगोया हुआ चना, फूल तथा धूप का प्रयोग करें।
- जल से वटवृक्ष को सींचकर उसके तने के चारों ओर कच्चा धागा लपेटकर 3 बार परिक्रमा करें।
- बड़ के पत्तों के गहने पहनकर वट सावित्री की कथा सुनें।
- भीगे हुए चनों का बायना निकालकर, नकद रुपए रखकर सासुजी के चरण स्पर्श करें।
- यदि सास वहां न हो तो बायना बनाकर उन तक पहुंचाएं।
- वट तथा सावित्री की पूजा के पश्चात प्रतिदिन पान, सिन्दूर तथा कुमकुम से सौभाग्यवती स्त्री के पूजन का भी विधान है। यही सौभाग्य पिटारी के नाम से जानी जाती है। सौभाग्यवती स्त्रियों का भी पूजन होता है। कुछ महिलाएं केवल अमावस्या को एक दिन का ही व्रत रखती हैं।
- पूजा समाप्ति पर ब्राह्मणों को वस्त्र तथा फल आदि वस्तुएं बांस के पात्र में रखकर दान करें।
- अंत में निम्न संकल्प लेकर उपवास रखें मम वैधव्यादिसकलदोषपरिहारार्थं ब्रह्मसावित्रीप्रीत्यर्थं सत्यवत्सावित्रीप्रीत्यर्थं च वटसावित्रीव्रतमहं करिष्ये।
- इस वट वृक्ष के नीचे सावित्री-सत्यवान की कथा को पढ़ने अथवा सुनने से मनोवांछित सुफल की प्राप्ति होती है।

इस वट सावित्री व्रत पर पड़ रही है सोमवती अमावस्या, क्यों खास है यह संयोग

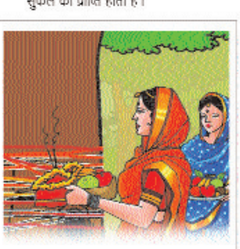

इस साल 26 मई को ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि का संयोग बना है। वट सावित्री व्रत हर साल ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि पर ही किया जाता है लेकिन इस साल 26 मई और 27 मई दोनों ही दिन अमावस्या का स्पर्श हो रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि वट सावित्री व्रत किस दिन किया जाएगा। और अबकी बार वट सावित्री व्रत पर कौन सा दुर्लभ संयोग बना है।

वट सावित्री 2025 डेट पंचांग के अनुसार वट सावित्री व्रत की डेट को लेकर पंचांग को देखने पर मालूम होता है कि पंचाग दिवाकर और वैदेही पंचांग दोनों ही बताते हैं कि इस साल वट सावित्री का व्रत 26 मई को ही किया जाना शास्त्र सम्मत होगा। दरअसल ज्येष्ठ अमावस्या का आरंभ 26 मई को 12 बजकर 12 मिनट से लग रहा है। और 27 मई को सूर्योदय के कुछ समय बाद ही समाप्त हो जा रहा है।

26 मई को वट सावित्री व्रत

शास्त्र सम्मत है कि जिस दिन दोपहर के समय मे अमावस्या तिथि होती है उसी दिन वट सावित्री का व्रत किया जाना चाहिए इस नियम के अनुसार वट सावित्री का व्रत 26 मई को किया जाएगा। इसी दिन पितरों के निमित श्राद्ध तर्पण और ब्राह्मण भोजन भी किया जाएगा। शनि जयंती भी वट सावित्री के दिन ही 26 मई को मनाई जाएगी।

वट सावित्री पर बना सोमवती अमावस्या का दुर्लभ संयोग

27 मई को सूर्योदय कालीन अमावस्या होने से इस दिन अमावस्या का स्नान दान किया जा सकेगा। इस दिन भौमवती अमावस्या रहेगी। लेकिन अबकी बार 26 मई को सोमवार होने से ज्येष्ठ अमावस्या पर सौभाग्यदायक सोमवती अमावस्या का भी संयोग बनेगा। ऐसे में सुहाग की लंबी उम्र की कामना से जो सुहागन महिलाएं वट सावित्री का व्रत रखेंगी उनको यमराज के साथ शिवजी की कृपा का भी लाभ मिलेगा। इस पर उत्तम संयोग यह भी है कि इस दिन चंद्रमा अपनी राशि वृषभ में संचार करेंगे। वट सावित्री पर बना यह संयोग भी व्रतियों के लिए उत्तम फलदायी है।

नौतपा के नौ दिन सूर्यदेव को लगाएं इन चीजों का भोग

हिंदू धर्म में नौतपा सूर्यदेव को समर्पित है। ऐसी मान्यता है कि इस दौरान सूर्यदेव की पूजा विधिवत रूप से करने से व्यक्ति की सभी परेशानियां दूर हो सकती है। अब ऐसे में नौतपा में सूर्यदेव को किन चीजों का भोग लगाने से लाभ हो सकता है।

सनातन धर्म में नौतपा में सूर्यदेव की पूजा-अर्चना करने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि इस दौरान अगर सूर्यदेव की पूजा विधिवत रूप से किया जाए तो व्यक्ति को आरोग्य की प्राप्ति हो सकती है और जीवन में चल रही सभी परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है। नौतपा जातकों को सभी कष्टों से छुटकारा दिलाने के लिए बेहद सौभाग्यशाली माना जाता है। अब ऐसे में नौतपा के नौ दिन सूर्यदेव को भोग लगाने का विधान है।

सूर्यदेव को लगाएं गुड़ का भोग

नौतपा में सूर्यदेव को गुड़ का भोग लगाने का विशेष महत्व है। ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति रोगों और दोषों से पीड़ित है, उसे नौतपा के दौरान सूर्य देव को गुड़ अर्पित करना चाहिए। इससे रोग-दोष से मुक्ति मिलती है। गुड़ अर्पित करने से घर में सुख-समृद्धि आती है और दुख-दरिद्रता दूर होती है। नौतपा के दौरान सूर्य को गुड़ चढ़ाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

सूर्यदेव को लगाएं चने का भोग

नौतपा के दौरान सूर्यदेव की सकारात्मक ऊर्जा अधिक होती है। इस समय सूर्यदेव को प्रसन्न करने से कई लाभ मिल सकते हैं। गुड़ और चने का भोग सूर्यदेव को अर्पित करने से सूर्य ग्रह के दोष दूर होते हैं और कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होती है।

सूर्यदेव को लगाएं केले का भोग

केले के पौधे को देवगुरु बृहस्पति से भी जोड़ा जाता है। सूर्यदेव को केले का भोग सूर्यदेव को अर्पित करने से व्यक्ति को कभी भी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता है और उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।

सूर्यदेव को लगाएं पंचामृत का भोग

पंचामृत को पांच पवित्र और शुद्ध चीजों से तैयार किया जाता है, जो सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। सूर्यदेव तो पंचामृत का भोग लगाने से व्यक्ति को मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती है।

सूर्यदेव को लगाएं सत्तू का भोग

ज्येष्ठ माह मे नौतपा के दौरान सूर्यदेव को सत्तू का भोग लगाने की मान्यता है। सत्तू सूर्यदेव को बेहद प्रिय है। ऐसी मान्यता है कि सूर्यदेव को सत्तू का भोग लगाने से व्यक्ति का भाग्योदय हो सकता है।

सूर्यदेव को लगाएं बेसन के हलवे का भोग

नौतपा में सूर्यदेव को बेसन के हलवे का भोग लगाएं। इससे व्यक्ति को जीवन में मान-सम्मान की प्राप्ति होती है। साथ ही व्यक्ति को धन-धान्य की प्राप्ति का भी आशीर्वाद मिलता है।

सूर्यदेव को लगाएं केसर खीर का भोग

नौतपा में सूर्यदेव को केसर खीर का भोग लगाने से कभी भी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता है और कुंडली मे सूर्य के साथ-साथ गुरु की स्थिति भी मजबूत होती है।

सूर्यदेव को लगाएं आम का भोग

हिंदू धर्म मे आम को शुभ और पवित्र माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि नौतपा में सूर्यदेव को आम का भोग लगाने से सूर्यदेव की कृपा बनी रहती है।

सूर्यदेव को लगाएं नारियल का भोग

ज्योतिष के अनुसार, नौतपा में सूर्यदेव को नारियल पानी चढ़ाने से कुंडली में मौजूद ग्रह दोषों का प्रभाव कम होता है। सूर्य को ग्रहों का राजा और मान-सम्मान का कारक माना जाता है। नौतपा मे सूर्यदेव को नारियल अर्पित करने से व्यक्ति को समाज में मान-सम्मान और यश की प्राप्ति होती है।

सरल उपाय शनिदेव को करेंगे प्रसन्न, सुख-शांति के लिए आजमाएं

इस बार ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या तिथि 27 मई को है।

- शनि देव को उड़द की दाल की बूंदी के लड्डू बहुत प्रिय है अतः इस दिन लड्डू का भोग लगाकर बांटना चाहिए।
- शनि को दरिद्रों के नारायण भी कहते हैं इसलिए शनि जयंती पर दरिद्रों की सेवा से भी शनि प्रसन्न होते है।
- शनि जयंती पर असाध्य रोगो से ग्रस्त व्यक्ति को काला छाता, चमड़े के जूते चप्पल पहनाने से शनि देव प्रसन्न होते हैं।
- शनि जयंती पर घर के तथा अन्य वृद्धों का सम्मान करें, क्योंकि शनि देव को वृद्धावस्था का स्वामी कहा गया है, जिस घर मे माता पिता व वृद्धजनों का सम्मान होता है उस घर से शनि देव बहुत प्रसन्न होते हैं तथा जिस घर में वृद्ध का अपमान होता है उस घर से खुशहाली दूर भागती है।
- शनिवार को तेल की मालिश करके नहाना चाहिए, लेकिन शनि जयंती के दिन तेल की मालिश नहीं करें, बल्कि तेल का दान अवश्य करें।
- इस दिन लोहे की कोई वस्तु शनि मंदिर दान करनी चाहिए। वह वस्तु ऐसी हो जो मंदिर के किसी काम आ सके।
- शनि जयंती पर शनि मंदिर में बैठकर ॐ ऐं श्री श्री शनैश्चराय का जाप करना चाहिए।
- शनि दोष के कारण उत्पन्न हो रही समस्याओं के लिए शनि जयंती के रोज भगवान भोलेनाथ व हनुमान जी की पूजा एक साथ करनी चाहिए।
- शनि जयंती पर शनि संबंधी कथा, शनि चालीसा, शिव चालीसा, बजरंगबाण, हनुमान बाहुक व हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करना चाहिए।
- इस दिन शनि मंदिर से शनि रक्षा कवच या काला धागा हाथ मे बांधने के लिए अवश्य लें।
- शनि को मनाने के लिए शनि जयंती व्रत बहुत फलदायी है। यह व्रत करने वाले पर शनिदेव की असीम कृपा होती है।
- शनि जयंती के अवसर पर भगवान शिव का भस्म व तिलाभिषेक करना लाभदायी रहता है।
- इस दिन दशरथकृत शनि स्तोत्र का पाठ कम से कम 11 बार अवश्य करना चाहिए। इससे जीवन की परेशानियां और शनि के अशुभ प्रभाव से मिलने वाले बुरे फलों में कमी आती है।
- इसके अलावा इस दिन शनि चालीसा, शनैश्चरस्तवराजः, शिव चालीसा का पाठ तथा शनि देव की आरती भी करनी चाहिए। इस दिन कथा, शिव जी की आरती और मंत्रों का जाप करने से शनि संबंधित दोषों से मुक्ति मिलती है।
- शनि जयंती पर मंदिर में जाकर पार्थिव शिवलिंग का तेल से अभिषेक करना चाहिए तथा मंदिर में तेल, उड़द और तिल का दान करना चाहिए।
- शनि जयंती पर महाकाल के दर्शन करने से विशेष पुण्य फल मिलता है। अतः हो सके तो इस दिन महाकाल के दर्शन अवश्य करें।
- शनि जयंती पर भगवान भोलेनाथ को शक्कर का भोग लगाएं।
- शनि के अशुभ प्रभाव से बचाव के लिए शनि जयंती व्रत उत्तम होता है। यह व्रत करने वाले को इस दिन प्रातःकाल में भगवान शिवशंकर की पूजा-अर्चना करनी चाहिए, तत्पश्चात शनि देव का पूजन करना चाहिए।
- इसके अलावा शिव जी का दूध, दही, घी, नर्मदा-गंगा जल, शहद से अभिषेक करना चाहिए।
- शनि जयंती के दिन निर्धन व्यक्ति को भोजन करवाएं तथा सफाईकर्मी को सिक्कों का दान अवश्य दें।

मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत संविदा पदों की प्रारंभिक चयन सूची जारी

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत राज्य बाल संरक्षण समिति एवं राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण में रिक्त संविदा पदों पर नियुक्ति के लिए प्रारंभिक चयन सूची जारी कर दी गई है। इस संबंध में 25 अक्टूबर 2024 को विज्ञापन जारी किया गया था, जिसके तहत प्राप्त आवेदनों की प्रारंभिक जांच उपरांत पात्र और अपात्र अभ्यर्थियों की सूची तैयार की गई है। जारी सूची में राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण के कार्यक्रम अधिकारी का एक पद, राज्य बाल संरक्षण समिति के सहायक सह डाटा एंट्री ऑपरेटर का और लेखा सहायक का एक-एक पद शामिल है। कुल तीन पदों पर चयन प्रक्रिया के अंतर्गत प्रारंभिक सूची महिला एवं बाल विकास विभाग की वेबसाइट एवं कार्यालय में उपलब्ध है। विभाग ने इच्छुक आवेदकों से उक्त सूची के विरुद्ध 28 मई तक उपयुक्त दस्तावेजों सहित दावा या आपत्ति प्रस्तुत करने का आग्रह किया है। इस संबंध में अधिक जानकारी महिला एवं बाल विकास विभाग की वेबसाइट पर प्राप्त की जा सकती है।

रामगढ़ में आयोजित समाधान शिविर में श्रीमती रेणुका सिंह ने कहा मोबाइल नेटवर्क की समस्या दूर की जाएगी

शिविर में हितग्राही मूलक सामग्रियों का हुआ वितरण, जलसंरक्षण और बाल विवाह रोकथाम पर दिलाया गया संकल्प

कोरिया बैकुंठपुर - सोनहत विकासखंड के दूरस्थ ग्राम रामगढ़ में आज सुशासन तिहार के तीसरे चरण के अंतर्गत सरई पेड़ के छांव में समाधान शिविर का आयोजन किया गया।

भरतपुर-सोनहत विधायक एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती रेणुका सिंह ने आम नागरिकों से कहा, यह समाधान शिविर आप सभी के लिए है, जहां सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस अंचल में मोबाइल नेटवर्क की समस्या को भी शीघ्र सुलझाया जाएगा, इसके लिए लगातार प्रयास की जा रही है।

इस अवसर पर विधायक श्रीमती रेणुका सिंह ने ५ आंगनबाड़ी केंद्रों, एक शौचालय और एक लोक सेवा केंद्र भवन का लोकार्पण भी किया। कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने कहा कि अधिकांश आवेदनों का समाधान कर लिया गया है, शेष आवेदनों का निराकरण शासन स्तर से स्वीकृति मिलते ही की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास और महतारी वंदन से सम्बंधित आवेदन बड़ी संख्या में आए हुए हैं। आवास के लिए सर्वे कार्य के बाद पात्रता सूची बनेगी तथा पोर्टल खुलते ही महतारी वंदना योजना के हितग्राहियों को लाभ मिलेगा।

जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कलेक्टर ने ५ प्रतिशत मॉडल अपनाने और हर बेटी के जन्म पर ५ पौधे लगाने की अपील की।

शिविर में राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड तथा अन्य हितग्राही सामग्री का वितरण किया गया। साथ ही, स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की उपस्थिति में लोगों को जलसंरक्षण, बेटी संग ५ पेड़ लगाने और बाल विवाह रोकने के लिए संकल्प भी दिलवाया गया।

शिविर में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा सहित जनपद अध्यक्ष तथा अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

न्यूज गैलरी

जिले की सभी ग्राम पंचायतों में मनाई जाएगी देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती

कोरिया बैकुंठपुर - कोरिया जिले में ३१ मई को महान समाज सुधारक और प्रजावत्सला शासिका देवी अहिल्याबाई होलकर की ३००वीं जयंती हर्षोल्लास से मनाई जाएगी। इस अवसर पर जिले की सभी ग्राम पंचायतों में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जो विशेष रूप से महिला सशक्तीकरण और सामाजिक जागरूकता पर केंद्रित होंगे। राज्य शासन के निदेर्शानुसार और कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के मार्गदर्शन में आयोजन की रूपरेखा तैयार करने की जानकारी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुवेर्दी ने दी। उन्होंने बताया कि इस सम्बंध में सभी ग्राम पंचायत सचिवों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। कार्यक्रमों की श्रृंखला में देवी अहिल्याबाई के जीवन एवं कार्यों पर आधारित नुक्कड़ नाटक, गोष्ठियाँ, चित्र प्रदर्शनी और परिचचाएं आयोजित की जाएंगी। इन आयोजनों का उद्देश्य नागरिकों को उनकी प्रशासनिक कुशलता, सामाजिक सुधारों, जल प्रबंधन और महिला उत्थान जैसे कार्यों से अवगत कराना है। इसके अतिरिक्त बालिकाओं व महिलाओं के लिए खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रेरणादायक संवाद आयोजित होंगे। विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। ग्राम पंचायतों में कार्यरत स्वच्छता दीदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें भी सम्मानित किया जाएगा। इस अभियान के तहत सामूहिक श्रमदान और सफाई अभियान भी चलाए जाएंगे, जिसमें गांव के सार्वजनिक स्थल, धार्मिक स्थान और जल स्त्रोतों की साफ-सफाई की जाएगी।

केंद्रीय विद्यालय चिरमिरी में भारतीय भाषा समर कैंप का शुभारंभ, सेवानिवृत्त शिक्षिका श्रीमती सुजाता भारद्वाज ने सिखाई बंगाली भाषा की बुनियादी बातें

चिरमिरी। केंद्रीय विद्यालय चिरमिरी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के अंतर्गत एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के तहत शुक्रवार को भारतीय भाषा समर कैंप का उत्साहपूर्वक शुभारंभ हुआ। यह विशेष कार्यक्रम आगामी सात दिनों तक संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम के पहले दिन विद्यालय की पूर्व सेवानिवृत्त शिक्षिका श्रीमती सुजाता भारद्वाज ने विद्यार्थियों को बंगाली भाषा की बुनियादी जानकारी दी। उन्होंने संख्याओं की गिनती, अभिवादन के सामान्य शब्दों और आत्म-परिचय जैसे संवाद सिखाए। अपने संबोधन में उन्होंने भाषायी विविधता के महत्व और भाषाओं की सामाजिक व सांस्कृतिक भूमिका को रेखांकित किया। यह आयोजन विद्यालय के प्राचार्य श्री पॉल उदय अरोंग के निर्देशन तथा कार्यवाहक प्राचार्य एवं ग्रंथपाल श्री अश्वनी कुमार शुक्ला के संयोजन में संपन्न हुआ। समर कैंप में ५० से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर श्रीमती अम्बिका स्वाई, राहुल सिंह, जितेन्द्र मिश्रा, नवीन सैनी, सुरेश कुमार सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं जय अग्रवाल पिता संदीप कुमार अग्रवाल मेरे कुछ दस्तावेज में मेरा नाम जयकुमार अग्रवाल पिता संदीप कुमार अग्रवाल अंकित है। मेरे आधार कार्ड में नाम जय अग्रवाल पिता संदीप कुमार अग्रवाल अंकित है।

अब मैंने अपना नाम जय अग्रवाल पिता संदीप कुमार अग्रवाल रख लिया है।

अतः भविष्य में मुझे जय अग्रवाल पिता संदीप कुमार अग्रवाल के नाम से जाना व पहचाना जाये।

जय अग्रवाल
पिता- संदीप कुमार अग्रवाल
वार्ड नम्बर 12, नेहरू पार्क रोड, सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ.ग.)

राज्य स्तरीय कायाकल्प निरीक्षण टीम का बैकुंठपुर एवं पटना स्वास्थ्य केंद्रों में निरीक्षण

कोरिया बैकुंठपुर - राज्य स्तरीय कायाकल्प मूल्यांकन टीम ने २२ मई को जिला चिकित्सालय बैकुंठपुर एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने स्वास्थ्य संस्थानों की स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण, अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरणीय सुविधाओं सहित कुल आठ मानकों के आधार पर मूल्यांकन किया।

निरीक्षण दल में संयुक्त संचालक डॉ. अनिल कुमार शुक्ला एवं डॉ. जितेंद्र कुमार के साथ राज्य सलाहकार रामकृष्ण पांडेय, डॉ. प्रीतम राय, श्रीमती मोनिका साहू एवं अस्पताल सलाहकार निलेश गुप्ता शामिल थे।स्वागत समारोह में नर्सिंग छात्राओं द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट और दीप प्रज्वलन कर टीम का पारंपरिक अभिनंदन किया गया। इसके उपरांत अस्पताल प्रबंधक द्वारा संस्थान की स्थिति पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। टीम को उप-समूहों में विभाजित कर अस्पताल परिसर, वार्डों एवं विभागों का निरीक्षण कराया गया। निरीक्षण के दौरान टीम ने मरीजों से भी संवाद किया, जिसमें उन्हें चिकित्सा सेवाओं और अस्पताल प्रबंधन के प्रति संतोषजनक प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं। कार्यक्रम के अंत में एक संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें निरीक्षण के दौरान सामने आए बिंदुओं पर चर्चा कर सुधार हेतु सुझाव दिए गए। टीम द्वारा दी गई समग्र फीडबैक को आगामी सुधार कार्यों में उपयोग किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह, सिविल सर्जन डॉ. आयुष जायसवाल, आरएमओ डॉ. कार्तिकेय सिंह, डॉ. अनित बाखला, डीपीएम डॉ. अशरफ अंसारी, अस्पताल सलाहकार व सभी विभागीय प्रभारी, नर्सिंग इंचार्ज, क्वालिटी नोडल अधिकारी एवं अन्य चिकित्सा व सहायक कर्मचारी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने किया आह्वान - हर बच्चा है अधिकारों का हकदार

रायपुर। छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा बाल अधिकारों पर आह्वान नामक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राजधानी रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा, उनके कल्याण और जागरूकता को बढ़ावा देना रहा। आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को जीवन, सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और विकास के समान अवसर मिलना उनके मौलिक अधिकार हैं। बच्चों को शोषण, दुर्व्यवहार, उपेक्षा और हिंसा से बचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बाल श्रम, तस्करी और यौन शोषण जैसे खतरों से बच्चों की रक्षा करने की आवश्यकता पर बल दिया। आयोग के सचिव श्री प्रतीक खरे ने कहा कि आज के समय में बच्चे विभिन्न प्रकार की हिंसा और शोषण का सामना कर रहे हैं, जिसे रोकने के लिए जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने सभी संबंधित हितधारकों जैसे माता-पिता, शिक्षक, समुदाय, पुलिस और बाल सहायता संस्थाओं से मिलकर कार्य करने की अपील की।

सिंचाई के संसाधन से बदल रही वनवासी श्रमिक परिवार की जिंदगी

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। मेहनत करने वाले हाथों को एक छोटी सी मदद ही उनके जीवन की दशा और दिशा को बदलने में सक्षम हो जाती है। आदिवासी परिवार जिन्हें सरकार ने वनों में रहने के लिए वन अधिकार पत्र दिए हैं, उनके लिए मनरेगा की छोटी-छोटी मदद ने परिवर्तन लाना प्रारंभ कर दिया है।

मनेन्द्रगढ़ जिले के खड़गवां जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बरदर जहां आदिवासी परिवार रहता है। अपने उबड़-खाबड़ जमीन में किसी तरह कड़ी मेहनत से खेतों को तैयार करने वाले श्रमिक धन सिंह और उनकी पत्नी सुघरी अनूसूचित जनजाति वर्ग से आते हैं। इनके परिवार की आर्थिक स्थिति में परिवर्तन में मनरेगा से बने एक जल संसाधन ने नई उमंग जगा दी है। पहले केवल महात्मा गांधी नरेगा के अकुशल श्रम में जीवन यापन करने वाले इस परिवार के पास अब अपने ही खेतों में भरपूर काम है और उनकी आर्थिक समस्या भी निराकृत हो चली है। मेहनतकश आदिवासी परिवार की सफलता की कहानी अब औरों के लिए प्रेरणा बन रही है। ग्राम पंचायत बरदर में रहने वाले धन सिंह और उनकी पत्नी सुघरी महात्मा गांधी नरेगा के पंजीकृत परिवार में शामिल अकुशल श्रमिक हैं। इनके वनभूमि पर लंबे समय से रहवास को महत्व देते हुए राज्य शासन से इन्हें कुछ साल पहले वनाधिकार पत्र जारी हुआ। महात्मा गांधी मनरेगा से जुड़े इस परिवार के पास कुछ एकड़ जमीन थी जो वन भूमि होने के कारण असमतल और सिंचाई विहीन थी। लंबे समय से खेत में मेहनत करते हुए इस परिवार ने अपनी भूमि को खेती लायक तो बना लिया था, लेकिन केवल बारिश पर आश्रित होने के कारण इन्हें उस भूमि की जोत का कोई विशेष लाभ नहीं मिल रहा था। ऐसे में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत बने एक कुंए ने उनके खेती को मजबूत कर दिया है। ग्राम पंचायत से प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर धन सिंह की पत्नी श्रीमती सुघरी के नाम पर एक व्यक्तिगत कूप निर्माण कार्य गत वित्तीय वर्ष में स्वीकृत हुआ। इस कार्य के लिए ग्राम पंचायत को निर्माण एजेंसी बनाते हुए 2 लाख 51 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। तय समय-सीमा में तकनीकी सहायक राहुल के देखरेख में यह कार्य पूरा हुआ। कार्य पूरा होने के बाद से ही इस आदिवासी परिवार के जीवन में बदलाव का दौर आरंभ हो गया है। पहले केवल अकुशल मजदूरी पर आश्रित यह परिवार अपने खेतों में 3 फसल ले रहा है। अब इनके खेतों में गर्मी की धान और उड़द जैसे दलहन की फसल लहलहा रही है।

जून में एकमुश्त मिलेगा 3 माह का चावल, ई-केवाईसी अनिवार्य

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के अंतर्गत लाभान्वित होने वाले जिले के सभी कार्ड धारकों को आगामी माह जून 2025 में 3 माह जून, जुलाई एवं अगस्त का चावल एकमुश्त वितरित किया जाएगा। प्रशासन ने इसके लिए भंडारण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। खाद्य विभाग के अनुसार चावल के अतिरिक्त अन्य राशन सामग्री की आपूर्ति नागरिक आपूर्ति निगम के स्टॉक की उपलब्धता के अनुसार जून से अगस्त माह तक प्रति माह पृथक-पृथक रूप से की जाएगी। राशन का वितरण जिले की सभी शासकीय राशन दुकानों के माध्यम से किया जाएगा। सभी पात्र हितग्राही अपने राशन कार्ड के अनुसार 3 माह की चावल सामग्री एक साथ प्राप्त कर सकेंगे। इसके साथ ही विभाग ने सभी राशन कार्डधारियों के लिए ई-केवाईसी को अनिवार्य कर दिया है। जिन राशन कार्ड धारियों का ई-केवाईसी अब तक नहीं हुआ है, उन्हें 31 मई 2025 तक अनिवार्य रूप से यह प्रक्रिया पूरी करनी होगी। राशन कार्ड में जितने भी सदस्य दर्ज हैं, उन सभी का ई-केवाईसी कराना आवश्यक है। ई-केवाईसी पूर्ण न होने की स्थिति में राशन वितरण में बाधा आ सकती है।

प्रतिभाओं साहित्यकारों को उनका उचित सम्मान हमारा कर्तव्य : देवेंद्र

मातृशक्ति, कविगण,प्रतिभावान विद्यार्थी, समाज सेविका वर्ग, कलाकार एवं काव्य जगत के सितारों का हुआ सम्मान

कोरिया बैकुंठपुर / पुण्य श्लोक लोक माता अहिल्याबाई होल्कर की ३०० वीं जन्म जयंती के अवसर पर विगत २२/०५/२०२५ को स्थानीय तेरापंथ भवन बाई सागर पारा में च्काव्यतरंगज का गरिमामई आयोजन किया गया जिसमें कविता, गीत,नृत्य के संगम के साथ प्रतिभावान विद्यार्थीगण प्रविण्य सूची में स्थान बनाने वाले छात्र छात्रा गण, सीबीएसई टॉपर्स, समाजसेविका वर्ग,कलाकार एवं काव्य जगत के सितारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भरत लाल मटियारा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड रहे। उनके साथ मंच पर भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी, ,अपर कलेक्टर श्री मरकाम, जिला शिक्षा अधिकारी जितेंद्र गुप्ता , जिलाधीश स्टेनो घनश्याम मिश्रा, भाजपा महामंत्री पंकज गुप्ता,मंडल अध्यक्ष अनिल खटीक, राजेंद्र सिंह , चंद्रकांत पारगीर, अरुण जैन कार्यक्रम के संयोजकद्वय कपिल जायसवाल एवं शारदा गुप्ता मौजूद रहे। सर्वप्रथम पुण्य श्लोक लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के छायाचित्र पर अतिथिगणों के द्वारा दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण किया गया तत्पश्चात कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए कार्यक्रम के संयोजक शारदा प्रसाद गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि, लोकमाता के जीवन पर आधारित चित्र प्रदर्शनी के समापन समारोह में विभिन्न कार्यक्रम किए गए ।

कविगण के कविताओं में झूमे दर्शक हुआ सम्मान : काव्य तरंग में अनामिका चक्रवर्ती, राजीव गुप्ता, हरिकांत अग्निहोत्री, रेणुका तिर्की, राजेश पांडेय, ताहिर आजमी,तारा पांडे मुक्तांशा विद्या दुबे , श्वेता सोनी, अंशिवा कौरव, बहुमुखी प्रतिभा की धनी अलीशा शेख, ख्यातिलब्ध युवा रचनाकार तरन्नुम शेख, सभी विधाओं की कविता सहित हास्य प्रमुख राजकुमार शर्मा, समाज और श्रृंगार सहित सभी विधा में पारंगत शारदा गुप्ता विद्रूप, संवर्त कुमार रूप ने काव्य पाठ किया। अतिथियों के द्वारा कवियों के कविताओं द्वारा वीर रस प्रभाव की प्रशंसा करते हुए सभी का सम्मान किया गया।

समाजसेविका एवं विद्यार्थी हुए सम्मानित : कार्यक्रम में समाजसेविका एवं विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया जिसमें लीना धुरिया को वरिष्ट समाजसेविका, रुचि बड़ेरिया को समाज के लिए कार्य, माधुरी गुप्ता, रीता सोनी, प्रियंका गुप्ता लीना शिवहरे की रामायण मंडली को समाज के लिए कार्य करने हेतु, सम्मानित किया गया। इसी क्रम में सीबीएसई टॉपर्स जिन्होंने प्रावीण्य सूची में अपना नाम दर्ज कर शहर और कोरिया जिले को गौरवान्वित किया उनमें से अभिनंदन बड़ेरिया ९८त्न सेंट जोसेफ स्कूल बैकुंठपुर कक्षा दसवीं, अंशिका अग्रहरि ९६त्न सेंट जोसेफ स्कूल कक्षा दसवीं, तेजल सिंह तेजस महलपारा, श्रेया शर्मा कक्षा १२वीं ९१.४त्न सेंट जोसेफ स्कूल बैकुंठपुर, आयुषी गुप्ता कक्षा बारहवी ९१त्न सेंट जोसेफ स्कूल, को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के आकर्षण होनहार कलाकार युवा सम्मानित : काव्यतरंग में कथक पर मनमोहक प्रस्तुति देकर सभी दर्शकों को झूमने पर मजबूर करने कर देने वाली शहर की होनहार छात्रा आयुषी सोनी,अपनी गायकी विधा से सभा को उल्लास से भर देने वाली युवा वैदेही गोस्वामी, कार्यक्रम में नन्ही बालिका अनन्या सारथी ने सुरीली तान छेड़ दी और इस नन्ही बालिका को दो बार दर्शकों ने गीत गवा दिया। इसी क्रम में शहर के लोकप्रिय गायक सचिन गुप्ता, राजीव गुप्ता, एस के रूप में भी अपनी प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया।

खेल प्रतिभाओं का भी सम्मान: कार्यक्रम में राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर खेल प्रतिभा के द्वारा शहर व जिले का नाम रोशन करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया ताकि अन्य बच्चे भी इससे प्रेरित हो और कुछ अच्छा करें।राष्ट्रीय स्तर पर दिव्यांशी पटेल व अर्शिया चटर्जी वहीं राज्य स्तर पर श्रद्धा घोष,काव्य राजवाड़े का सम्मान किया गया। इसी क्रम में सस्विका सिंह को मुख्य अतिथि व अन्य अतिथि गणों के द्वारा सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का सफल व कुशल संचालन संवर्त कुमार रूप के द्वारा किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से तीरथ राजवाड़े ,रमन गुप्ता मनोज सोनवानी, रवि त्रिपाठी, सतेंद्र राजवाड़े, रोशन राजवाड़े, संजय चिकनजूरी, हरिओम साहू स्वामी पटेल, सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिकों की उपस्थिति रही।

न्यायालय नायब तहसीलदार पिलखा क्षेत्र बिश्रामपुर तहसील- लटोरी जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

//ईश्तहार//

202504260100010 अ- 21/2024-2025

सर्व साधारण ग्रामवासी निवासी ग्राम जयनगर को सूचित किया जाता है आवेदक अजय कुमार सिंह आ० स्व. रामनिहोरा सिंह निवासी ग्राम जयनगर तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा नंबर 33/5 रकबा 15 डिसमिल भूमि को अनावेदिका किरन देवी सिंह पति अजय कुमार सिंह के पक्ष में विक्रय करने हेतु सौदा तय हुआ है। आवेदित भूमि व्यपवर्तित भूमि है उक्त भूमि को दान पत्र निष्पादित करने की अनुमति बावत आवेदन पत्र पत्र कलेक्टर महोदय सूरजपुर को प्रस्तुत की है जो जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिसमें कार्यवाही किया जा रहा है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 04-06-2025 को उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है ।इस तिथि के बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20-05-2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
तहसीलदार पिलखा क्षेत्र बिश्रामपुर
जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नायब तहसीलदार पिलखा क्षेत्र बिश्रामपुर तहसील- लटोरी जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

//ईश्तहार//

202502260100028 अ- 21/2024-2025

सर्व साधारण ग्रामवासी निवासी ग्राम शिवनंदनपुर को सूचित किया जाता है आवेदक प्रदीप कुमार अग्रवाल आ० मदनलाल अग्रवाल निवासी ग्राम शिवनंदनपुर तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा नंबर 583/9 रकबा 0.038 हे० भूमि को अनावेदकगण दीपक कुमार गोयल एवं नवीन कुमार अग्रवाल आ० नारायण दास गोयल के पक्ष में विक्रय करने हेतु सौदा तय हुआ है। आवेदित भूमि व्यपवर्तित भूमि है उक्त भूमि को विक्रय करने हेतु अनुमति बावत आवेदन पत्र पत्र कलेक्टर महोदय सूरजपुर को प्रस्तुत की है जो जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिसमें कार्यवाही किया जा रहा है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 06-06-2025 को उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है ।इस तिथि के बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22-05-2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
तहसीलदार पिलखा क्षेत्र बिश्रामपुर
जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) उदयपुर, जिला सरगुजा (छ०ग०)

"ईश्तहार"

रा0प्र0क्र0-/ /अ-02/217-18

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक महावीर प्रसाद अग्रवाल पिता बनारसी अग्रवाल, निवासी ग्राम जूना लखनपुर, तहसील लखनपुर के द्वारा छ.ग. भू-राजस्व संहिता की धारा 172 सहपठित धारा 59 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक के द्वारा उसके स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम जूना लखनपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 603/2, 596/8, 102/13, 105/7 रकबा 0.028, 0.028, 0.020, 0.080 हेक्टेयर के वाणिज्यिक उपयोग में व्यपवर्तन किए जाने का निवेदन किया गया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था का कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन के पन्द्रह दिवस के भीतर इस कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित रूप से दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
उदयपुर,
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

केंद्र सरकार ने सीसीटीवी सॉल्यूशन पर राष्ट्रीय हैकाथॉन की घोषणा की

नई दिल्ली ,23 मई । गृह मंत्रालय (एमएचए) के तहत पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरएंडडी) ने एनसीआरबी और साइबरपीस फाउंडेशन के सहयोग से कानून प्रवर्तन के लिए सीसीटीवी सॉल्यूशन पर राष्ट्रीय हैकाथॉन आयोजित करने की घोषणा की। इस हैकाथॉन को इनोवेटर्स, स्टार्टअप्स और रिसर्च इंस्टीट्यूट को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित किया जा रहा है, ताकि वे भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्वदेशी, सिक्योर, स्केलेबल और लागत-प्रभावी सीसीटीवी सॉल्यूशन विकसित करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार साइबर-सुरक्षित भारत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बल्ले से इतिहास लिखते जो रूट, सचिन से अब चंद सौ कदम दूर, बनेंगे टेस्ट क्रिकेट के नए बादशाह

नॉटिंघम,23 मई। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट जब भी टेस्ट मैच खेलने मैदान में उतरते हैं तो कोई ना कोई रिकॉर्ड जरूर बनाते हैं. गुरुवार, 22 मई को ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र चार दिवसीय टेस्ट मैच के पहले ही दि उन्होंने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया. वे टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 13,000 रन बनाने वाले पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं.

जो रूट 34 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन उन्हें ये बड़ी उपलब्धि हासिल करने के लिए 28 रनों की जरूरत थी. जिसको उन्होंने टेस्ट मैच के 80वें ओवर की पहली गेंद पर सिंगल लेकर हासिल कर लिया. इसके बाद रूट ने अपना बल्ला उठाकर ट्रेंट ब्रिज में मौजूद दर्शकों ने अभिवादन स्वीकार किया.

इस उपलब्धि के साथ, 34 वर्षीय जो रूट टेस्ट क्रिकेट में 13,000 रन बनाने वाले पहले इंग्लिश बल्लेबाज बन गए, जबकि एलिस्टेयर कुक 134 मैचों में 12,472 रन बनाकर दूसरे स्थान पर हैं.

रूट इनिंग के हिसाब से 13000 टेस्ट रन पूरा करने वाले सबसे धीमे बल्लेबाज हैं, क्योंकि उन्होंने ये उपलब्धि हासिल करने के लिए 279 पारी खेलनी पड़ी, जबकि सचिन तेंदुलकर इनिंग के हिसाब से सबसे तेज 13 हजार टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं.

हालांकि, रूट मैचों के हिसाब से सबसे तेज 13,000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं, उन्होंने केवल 153 टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की, जबकि कैलिस (159), द्रविड़ (160), पोंटिंग (162) और तेंदुलकर (163) मैचों में ये कारनामा अंजाम दिया था.

जो रूट 13 दिसंबर, 2012 को नागपुर में भारत के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू किया और तबसे वो सफलता की सीढि ?ों पर चढ़ते जा रहे हैं. उन्होंने 153 मैच की 279 पारियों में 50.80 की औसत से 13,006 रन बनाए. जिसमें 36 शतक और 65 अर्धशतक शामिल है. उनका 262 उच्चतम स्कोर है. वो ऑल टाइम सचिन के टेस्ट रन से केवल 2915 रन दूर हैं. उनसे ज्यादा रन सिर्फ सचिन तेंदुलकर (15,921), रिकी पोंटिंग (13,378), जैक्स कैलिस (13,289) और राहुल द्रविड़ (13,288) के नाम हैं.

टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट पर 498 रन बना लिए हैं. मेजबान टीम की ओर से तीन शतक जड़े गए. जैक क्रॉली (124), बेन डकेट (140) और ओली पोप (नाबाद 169) की पारी खेली. क्रॉली और डकेट ने पहले विकेट के लिए 231 रनों की साझेदारी करके इंग्लैंड को शानदार शुरूआत दिलाई. पोप पहले दिन स्टंप्स के समय 169 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे, जबकि हैरी ब्रूक 9 रन बनाकर नाबाद थे.

प्लेऑफ से बाहर लखनऊ ने टेबल टॉपर गुजरात को 33 रनों से हराया

०-मार्श ने जड़ा तूफानी शतक

अहमदाबाद,23 मई। आईपीएल 2025 के 64वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टेबल टॉपर गुजरात टाइटंस को 33 रनों से हरा दिया. लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मिचेल मार्श के शतक और निकोलस पूरन के अर्धशतक की बदौलत 235 रन बनाए. जिसके जवाब में गुजरात की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 202 रन ही बना सकी.

लखनऊ के सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श ने 64 गेंदों में 117 रन बनाकर आईपीएल के इतिहास में लखनऊ सुपर जायंट्स के बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज शतक लगाया और टीम को 235/2 पर पहुंचाया, जिसके बाद मेहमान टीम ने पहले दस ओवरों में जीटी के फॉर्म में चल रहे शीर्ष तीन बल्लेबाजों को आउट कर दिया.

जीटी के मध्यक्रम को आखिरकार कड़ी परीक्षा से गुजरना पड़ा और शाहरुख खान ने शेरफेन रदरफोर्ड के साथ चौथे विकेट के लिए 40 गेंदों पर 86 रनों की साझेदारी करके उन्हें मैच में बनाए रखा. लेकिन ओरूर्के की दोहरी स्ट्राइक का मतलब था कि जीटी 202/9 पर ही रोक दिया. एलएसजी ने इस सीजन में मेजबानों के खिलाफ अपने दोनों मैच जीते.

236 रनों का पीछा करते हुए, शुभमन गिल 21 और साई सुदर्शन 35 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. उसके बाद जोस बटलर ने तेज खेलने की कोशिश की और 18 गेंदों पर 33 रन बनाकर आउट हो गए. उन का विकेट बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने आकाश सिंह ने लिया और नोटबुक सेलिब्रेशन करके और ड्रेसिंग रूम की ओर इशारा कर-के दिग्वेश राठी को विकेट समर्पित किया, जो अपने तीसरे डिमेरिट पॉइंट के कारण इस खेल से बाहर थे.

जीटी ने हाफवे मार्क तक पहुंचने से पहले अपने शीर्ष तीन बल्लेबाजों को खो दिया था. अंतिम दस ओवरों में 139 रनों की जरूरत के साथ, शाहरुख और रदरफोर्ड ने जीटी को दौड़ में बनाए रखने के लिए कदम बढ़ाया. उन्होंने शुरूआत में तेजी से चौके लगाए और फिर 14वें और 15वें ओवर में आवेश और शाहबाज अहमद की गेंदों पर क्रमशः 17 और 19 रन बनाए.

आखिरी चार ओवरों में 54 रनों की जरूरत थी, रदरफोर्ड ने ओरूर्के की गेंद पर हवाई फ्लिक करने की कोशिश की, लेकिन वो कैच आउट हो गए. ओरूर्के ने उसी ओवर में राहुल तेवतिया को लॉन्ग-ऑफ पर कैच आउट करा दिया. उसके बाद आवेश ने शाहरुख को, जिन्होंने 22 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, लो डिपिंग फुल टॉस पर कवर पर कैच कराया, जिसके बाद खेल लखनऊ के पक्ष में चला गया.

आईपीएल में बेंगलुरु और हैदराबाद का मुकाबला

लखनऊ,23 मई। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 64वें मैच में आज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद की टीमें एक-दूसरे से भिड़ेंगी. दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला शाम 7:30 बजे से भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में खेला जाएगा. आरसीबी की टीम पहले ही आईपीएल 2025 प्लेऑफ में पहुंच चुकी है. वहीं, हैदराबाद की टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है. हालांकि, आरसीबी प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष 2 में बने रहने के लिए आज के मैच में जीत दर्ज करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम आज हैदराबाद के खिलाफ अहम मुकाबले में जीत दर्ज कर प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष-2 में बने रहना चाहेगी. बता दें कि, अंक तालिका में शीर्ष-2 स्थानों वाली टीमों को फाइनल में पहुंचने के लिए 2 मौके मिलेंगे. स्टार बल्लेबाज रजत पाटीदार की कमान वाली आरसीबी की टीम पहले ही प्लेऑफ में जगह बना चुकी है. आरसीबी फिलहाल 12 मैचों में 17 अंकों के साथ प्वाइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर बनी हुई है. अगर आरसीबी आज के मुकाबले को जीत जाती है तो वह गुजरात टाइटन्स (18 अंक) को पीछे छोड़कर टेबल में शीर्ष पर पहुंच जाएगी. वहीं, पैट कमिंस की अगुवाई वाली और पिछले सीजन की फाइनलिस्ट सनराइजर्स हैदराबाद की टीम का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में फीका रहा. 12 मैचों में सिर्फ 4 मैच जीतकर 9 प्वाइंट्स हासिल करने वाली एसआरएच शीर्ष-4 में जगह बनाने से चूक गई है. आज बेंगलुरु के खिलाफ मैच में हैदराबाद की टीम जीत दर्ज कर अपने फैंस को खुश होने का मौका देना चाहेगी. हैदराबाद के लिए इस मैच में खोने के लिए कुछ नहीं है ऐसे में सभी खिलाड़ी बिना किसी दबाव के अपना स्वाभाविक खेल दिखा सकते हैं.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच हेड टू हेड रिकॉर्ड्स की बात करें तो इसमें हैदराबाद का पलड़ा थोड़ा ज्यादा भारी नजर आता है. दोनों टीमें अभी तक 25 आईपीएल मैचों में एक-दूसरे से भिड़ी हैं. इस दौरान 13 मैचों में हैदराबाद ने जीत हासिल की है. वहीं, बेंगलुरु 11 मैचों में जीत दर्ज करने में कामयाब रहा है. दोनों टीमों के बीच एक मुकाबला बेनतीजा रहा है.

लखनऊ के इकाना स्टेडियम की पिच स्पिन गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती है. इस पिच पर नई गेंद से तेज गेंदबाज और पुरानी गेंद से स्पिन गेंदबाज हावी होते हैं. वहीं बल्लेबाज को रन बनाने के लिए पहले क्रीज पर सेट होना पड़ता है. एक बार सेट होने के बाद बल्लेबाज भी यहां आसानी से रन बना सकते हैं. टी20 क्रिकेट में इस मैदान पर औसत स्कोर 173 है.

छोटी खबरें

जो कोहली और रूट नहीं कर सके वो ओली पोप ने कर दिखाया

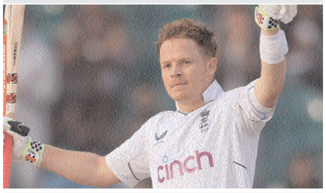

नॉटिंघम (इंग्लैंड),23 मई। इंग्लैंड के दाएं हाथ के स्टार बल्लेबाज ओली पोप ने टेस्ट क्रिकेट में ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है, जिसे दिग्गज विराट कोहली और जो रूट भी हासिल नहीं कर पाए. ओली पोप ने 8 अलग-अलग टेस्ट टीमों के खिलाफ करियर के पहले 8 शतक बनाने का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया. उन्होंने 22 मई, गुरुवार को ट्रेंट ब्रिज में इंग्लैंड और जिम्बाब्वे के बीच चल रहे एकमात्र टेस्ट के पहले दिन यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की. इंग्लैंड ने पहले दिन की समाप्ति तक (498/3) का स्कोर बनाया, जो टेस्ट के पहले दिन दोनों ओपनरों और नंबर 3 बल्लेबाज पोप के शतकों की बदौलत उनका चौथा सबसे बड़ा टीम स्कोर है. बाएं हाथ के बल्लेबाज बेन डकेट (140) ने अपने घरेलू मैदान पर एक गेंद पर रन बनाकर रेड-बॉल फॉर्मेट में अपना फॉर्म जारी रखा, जबकि जैक क्रॉली (171 गेंदों पर 124) ने पारी की शुरूआत में गेंद को टाइम करने में संघर्ष करने के बाद कुछ खास प्रदर्शन किया. 27 वर्षीय पोप ने तब सुर्खियां बटोरीं जब उनके सीनियर बल्लेबाजी जोड़ीदार जो रूट ने 13,000 टेस्ट रन पूरे किए. पोप, जिनकी टेस्ट टीम में जगह पक्की नहीं थी, ने 109 गेंदों में अपना 8वां टेस्ट शतक जड़ा और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की. पोप के सभी टेस्ट शतक अलग-अलग विरोधियों के खिलाफ आए हैं और वे अलग-अलग देशों के खिलाफ अपने पहले 8 टेस्ट शतक दर्ज करने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं. पोप कुल मिलाकर 8 अलग-अलग देशों के खिलाफ शतक लगाने वाले 30वें टेस्ट बल्लेबाज बन गए हैं. अगर एशेज में वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक बनाने में सफल होते हैं, तो पोप 9 अलग-अलग टीमों के खिलाफ टेस्ट शतक बनाने वाले इंग्लैंड के पहले टेस्ट बल्लेबाज बन जाएंगे. हालांकि, अन्य टीमों के कुल 16 खिलाड़ी समान उपलब्धि हासिल करने में सफल रहे हैं, जिनमें क्रिकेट आइकन सचिन तेंदुलकर, जैक्स कैलिस, रिकी पोंटिंग, कुमार संगकारा, राहुल द्रविड़, ब्रायन लारा, यूनिस खान, महेला जयवर्धने, केन विलियमसन, स्टीव वॉ, मैथ्यू हेडन, गैरी कर्स्टन, एडम गिलक्रिस्ट, मार्वन अटापट्टू, एंजेला मैथ्यूज और दिनेश चांदीमल शामिल हैं.

अरुणाचल प्रदेश का जीएसटी कलेक्शन 66 प्रतिशत बढ़ा, करदाताओं की संख्या 20,000 के पार

नई दिल्ली । पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश का जीएसटी कलेक्शन अप्रैल में सालाना आधार पर रिकॉर्ड 66 प्रतिशत बढ़ा है। यह जानकारी मंगलवार को राज्य के मुख्यमंत्री पेमा खांडू की ओर से दी गई। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताते हुए लिखा, अरुणाचल ने अप्रैल 2025 में अपना अब तक का सबसे अधिक मासिक 332 करोड़ रुपए का जीएसटी संग्रह दर्ज किया है, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 66 प्रतिशत अधिक है। पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा, 2017 में जीएसटी के लॉन्च होने के बाद से अरुणाचल का करदाता आधार काफी बढ़ गया है और आज राज्य में 20,000 से अधिक पंजीकृत करदाता हैं। इस पोस्ट के साथ खांडू ने एक पोस्टर भी शेयर किया, जिसमें लिखा हुआ था कि सालाना आधार पर जीएसटी कलेक्शन में 66 प्रतिशत की वृद्धि मजबूत आर्थिक विकास का संकेतक है। साथ ही इसमें आगे लिखा था कि जुलाई 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद से राज्य के कर आधार में कई गुना की वृद्धि हुई है। भारत का अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन बढ़कर रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया है, जो पिछले साल इसी महीने के 2.10 लाख करोड़ रुपए से 12.6 प्रतिशत अधिक है।

---------------------------- व्यापार/फिल्म ----------------------------

कलाकारों ने बताए मानसून में काम आने वाले उनके फेवरेट आइटम्स!

मुंबई। मानसून के बादल छाने लगे हैं और हवा में बारिश की खुशबू महसूस होने लगी है। इसी के साथ लोगों ने छाते निकालने और अपनी अलमारियों को भी नए मौसम के हिसाब से सजाने की तैयारी शुरू कर दी है। एण्डटीवी की लोकप्रिय अभिनेत्रियाँ भी बता रही हैं कि उन्होंने कैसे अपने कपड़ों और घर को मानसून के स्वागत के लिए स्टाइलिश अंदाज में तैयार किया है। इनमें शामिल हैं स्मिता सेबल (भीमा की धनिया), सपना सिकरवार (हप्पू की उलटन पलटन की बिमलेश) और शुभांगी अत्रे (भाबीजी घर पर हैं की अंगूरी भाबी)।

भीमा में धनिया का किरदार निभा रहीं स्मिता सेबल ने कहा कि मुझे बारिश का मौसम और इससे जुड़ी खुशियाँ बहुत पसंद हैं, लेकिन मैं इस मौसम की बाकी चुनौतियों को भी नजरअंदाज नहीं करती, जैसे नमी, फिसलन भरी सड़कें और अचानक होने वाली तेज बारिश। इसलिए मैंने पहले से ही अपने वॉर्डरोब में मानसून की जरूरी चीजें जुटा ली हैं, जिनमें रंग-बिरंगे छाते से लेकर ऐसे सैंडल तक शामिल हैं, जो फिसलते नहीं और स्टाइलिश भी हैं। बारिश हो या न हो, मैं फैशन के साथ कभी समझौता नहीं करती। मैंने चटकदार और मस्तीभरे रंगों वाले छाते चुने हैं, साथ ही मेरे पास क्यूट वॉटरप्रूफ फुटवियर भी हैं, जिससे मेरा लुक भी बना रहे और काम में भी आसानी हो। इस मौसम में मैं कॉटन और जॉर्जेट जैसे हल्के और ब्रीदेबल कपड़े पहनना पसंद करती हूँ। कुलॉट्स, मिडी ड्रेसेज और फ्लोई काफ्तान मेरे फेवरेट हैं, क्योंकि ये जल्दी सूख जाते हैं और आरामदायक भी होते हैं। मुझे मानसून में पहाड़ों या समुद्र किनारे छुट्टियों पर जाना बहुत अच्छा लगता है, इसलिए मेरी अलमारी पहले से ही ट्रैवल के लिए तैयार है- इसमें हैं आरामदायक ड्रेस, ओवरसाइज शर्ट्स और हल्के जैकेट्स, जो इस खूबसूरत मौसम में घूमने-फिरने का आनंद उठाने के लिए परफेक्ट हैं।

हप्पू की उलटन पलटन में बिमलेश का किरदार निभा रहीं सपना सिकरवार बताती हैं कि मुझे बारिश बहुत पसंद है, लेकिन मेरा मानना है कि आपका वार्डरोब मानसून के लिए तैयार होना चाहिए! मैंने अपना वार्डरोब पूरी तरह से रिफ्रेश किया है। अब मैंने एंकल लेंथ ट्राउजर्स और जल्दी सूखने वाले सिंथेटिक दुपट्टे चुने हैं। भारी कपड़ों को अब अलविदा कह दिया है, जो भीगने पर शरीर से चिपक जाते हैं। मैंने वॉटरप्रूफ फुटवियर भी खरीदे हैं, जो स्टाइलिश भी हैं और काम के भी। मैंने घर में भी बदलाव किए हैं, जैसे कि मोटे पर्दों की जगह हल्के और जल्दी सूखने वाले पर्दे और कुशन कवर लगाए हैं, वो भी चटकदार रंगों में, ताकि जब आसमान में बादल छाएं तो घर के भीतर रौशनी बना रहे। और हाँ, मानसून पकौड़ों और मसाला चाय के बिना अधूरा लगता है! इस बार मैंने घर में झटपट बनने वाले स्नैक्स और कई तरह की चाय के फ्लेवर्स स्टॉक कर लिए हैं, जो बारिश वाले दिन का मूड एकदम फ्रेश कर देते हैं।

भाबीजी घर पर हैं की अंगूरी भाबी यानी शुभांगी अत्रे कहती हैं कि इस बार मैंने पूरे जोर-शोर से तैयारी की है ताकि मैं पूरी तरह से मानसून के लिए तैयार रहूं। चाहे बात एक्सेसरीज की हो या घर के जरूरी सामान की! मैंने एक खुशनुमा येलो रेनकोट और मजबूत लेकिन स्टाइलिश रेन बूट्स खरीदे हैं, जिससे बारिश में बाहर निकलना झंझट नहीं बल्कि मजेदार अनुभव बन गया है। मैंने हर बैग में फोल्ड होने वाली छोटी छतरियां भी रख ली हैं- क्योंकि बारिश कब आ जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता! इस मौसम में मैं चीजों को मिनिमल रखना पसंद करती हूं, इसलिए भारी गहनों की जगह लाइटवेट और सिंपल ज्वेलरी पहनती हूं, ताकि उमस में कोई परेशानी न हो और मेटल खराब भी न हो। बालकनी को भी ताजा कर दिया है और उनमें फर्न एवं मनी प्लांट जैसे मानसून-फ्रेंडली पौधे लगाए हैं, जिन्हें बारिश में झूमते देखना बहुत सुकून देता है। रसोई भी तैयार है, जिसमें काढ़े की सामग्री, फ्लेवर वाली चाय, भुने हुए स्नैक्स और वो सब कुछ है, जो बारिश के दिन को सुकूनभरा बना दे। मेरे लिए मानसून का मतलब है-इस मौसम को दिल से अपनाना, लेकिन सलीके से और पूरे आराम के साथ।

हरे निशान में भारतीय शेयर बाजार, निफ्टी 24,700 स्तर से ऊपर

मुंबई ,23 मई । भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को मिश्रित वैश्विक संकेतों के बीच बढ़त के साथ खुले। शुरूआती कारोबार में एफएमसीजी, आईटी और ऑटो सेक्टर में खरीदारी देखी गई।

सुबह करीब 9.29 बजे, सेंसेक्स 281.75 अंक या 0.35 प्रतिशत बढ़कर 81,233.74 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 109.75 अंक या 0.45 प्रतिशत बढ़कर 24,719.45 पर कारोबार कर रहा था।

निफ्टी बैंक 69.85 अंक या 0.13 प्रतिशत बढ़कर 55,011.15 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 258.10 अंक या 0.46 प्रतिशत जोड़कर 56,582.95 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 58.30 अंक या 0.33 प्रतिशत चढ़कर 17,561.40 पर था।

विश्लेषकों के अनुसार, बाजार के दृष्टिकोण से अच्छी बात यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था के मैक्रोइकॉनॉमिक संकेतक मजबूत हैं। सेंसेक्स पैक में, आईटीसी, अदाणी पोर्ट्स, इंफोसिस, पावरग्रिड, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, एसबीआई, एचसीएल टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा मोटर्स और इटरनल टॉप गेनर्स थे। जबकि, सन फार्मा, एमएंडएम, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, मारुति सुजुकी और आईसीआईसीआई बैंक टॉप लूजर्स थे। एशियाई बाजारों में, चीन, हांगकांग, बैंकॉक, सोल, जकार्ता और जापान हरे निशान में कारोबार कर रहे थे।

अमेरिकी बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र में डॉव जोन्स 1.35 अंक या 0.00 प्रतिशत की गिरावट के साथ 41,859.09 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 2.60 अंक या 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,842.01 पर बंद हुआ और नैस्डैक 53.09 अंक या 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,925.74 पर बंद हुआ।

विशेषज्ञों ने कहा, अस्थिर सत्र के बाद गुरुवार को अमेरिकी शेयर बाजार मिश्रित रूप से बंद हुए, जिसमें प्रमुख सूचकांक शुरूआती नुकसान को खत्म करने में सफल रहे क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के कर और व्यय विधेयक को सदन ने बहुत कम अंतर से पारित कर दिया और इसके बाद ट्रेजरी यील्ड हाल के उच्च स्तर से कुछ पीछे हट गए।

संस्थागत मोर्चे पर, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुद्ध विक्रेता थे क्योंकि उन्होंने 22 मई को 5,045.36 करोड़ रुपए की इक्विटी बेची, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,715.00 करोड़ रुपए की इक्विटी खरीदी।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वीके विजयकुमार ने कहा, यहां तक कि जब बाजार कमजोर होता है, तब भी फाइनेंशियल, टेलीकॉम, विमानन आदि जैसे घरेलू मांग आधारित क्षेत्र मजबूत होते हैं। यह इन क्षेत्रों में आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल और इंटरग्लोब एविएशन जैसे बड़े प्लेयर्स के शेयर की कीमतों में मजबूती से दिखाई देता है। बाजार से यह संदेश महत्वपूर्ण है।

राजधानी

■ RNI No.CHHHIN/ 9479/2002 ■ Postal Regn No./RYPDN/11/2014-16 अम्बिकावाणी

तिलक लगा जवानों की हौसला अफजाई की मुख्यमंत्री साय ने

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को नारायणपुर जिले के बासिंग कैंप में अबूझमाड़ में दो दिन पहले हुए सफल ऑपरेशन में शामिल जवानों से मुलाकात कर उन्होंने तथा गृहमंत्री ने जवानों का तिलक लगाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा उनकी हौसला अफजाई की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर बासिंग कैंप में की अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएंड भी कि जिनमें प्रमुख हैं- २० लाख की लागत से ग्राम मुरहापदर में पुलिया निर्माण। १० लाख की लागत से बासिंग हेतु खेल मैदान की स्वीकृति। १० लाख की लागत से बासिंग में बालक आश्रम एवं माध्यमिक शाला मरम्मत की स्वीकृति। * २४ लाख की लागत से ग्राम मुरहापदर और एहनार में नवीन आंगनबाड़ी भवन। *२५ लाख की लागत से ग्राम बासिंग में हाट बाजार से बस्ती तक ५००मीटर सीसी सड़क की स्वीकृति। * ग्राम कुंदला, बासिंग और मुरहापदर में नवीन घोटूल के लिए १५ लाख की स्वीकृति।

राज्य के सभी आयुष्मान योजना से संबद्ध अस्पतालों में दुर्घटना में घायल मरीजों को डेढ़ लाख रुपए तक का मिलेगा निःशुल्क इलाज

बेहद जन उपयोगी है सड़क दुर्घटना पीड़ितों का नकदी रहित उपचार स्कीम 2025ः स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल

रायपुर। सड़क दुर्घटना होने वाले पीड़ितों के लिए भारत सरकार ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों का नकदी रहित उपचार स्कीम २०२५ शुरू किया है। इसके बारे में जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि यह एक बेहद जनउपयोगी योजना है जिसमें सड़क दुर्घटना होने पर पीड़ितों को नकदी रहित मुफ्त उपचार की व्यवस्था होगी। इसमें किसी भी पीड़ित परिवार को ७ दिन की अवधि के लिए आयुष्मान स्वास्थ्य योजना से संबद्ध हास्पिटल में डेढ़ लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त मिलेगा।

श्री जायसवाल ने बताया कि ये निःशुल्क इलाज एक व्यक्ति के लिए डेढ़ लाख रुपए तक होगा। यानी अगर एक ही परिवार के दो व्यक्ति की दुर्घटना होती है तो ३ लाख तक, दुर्घटना में ३ लोग हताहत होते हैं तो ४.५ लाख तक मुफ्त इलाज हो सकेगा। इसमें वे सभी हास्पिटल शामिल होंगे, जिन्हें आयुष्मान योजना के तहत शामिल किया गया है। यानी आयुष्मान योजना के अंतर्गत पंजीकृति किसी भी अस्पताल में नई योजना के तहत दुर्घटना में घायल व्यक्ति सात दिन तक डेढ़ लाख रुपए तक का का निः शुल्क इलाज के लिए पात्र होगा।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जानकारी देते हुए कहा कि अगर किसी की दुर्घटना होती है और उसे नजदीकी आयुष्मान योजना संबद्ध हास्पिटल में ले जाया जाता है, लेकिन वहां भी इलाज के संसाधन नहीं हैं या स्पेशलिस्ट डॉक्टर नहीं है, तो वह हास्पिटल तुरंत दूसरे अस्पताल में केस भेजेगा और पोर्टल में इसे अपडेट करेगा ताकि विशेषज्ञ वाली जगह में तुरंत इलाज शुरू हो सके। श्री जायसवाल ने कहा कि अभी ट्रामा और पॉलीट्रामा के अंतर्गत कुछ और सक्षम हास्पिटल को इस योजना के तहत शामिल किया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसका लाभ मिल सके। इसके लिए सभी मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस जन हितकारी और महत्वपूर्ण योजना को राज्य में तत्काल प्रारंभ करने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गृह मंत्री विजय शर्मा को धन्यवाद देते हुए उनका आभार व्यक्त किया है।

बारिश की तैयारी को लेकर बैठक तो क्या मान लें की पेयजल की समस्या यथावत रहेगीः दीप्ति दुबे

रायपुर। कांग्रेस की महापौर प्रत्याशी रही दीप्ति दुबे ने ब्राह्मण पारा के आमा पारा, अवधिया पारा, धोबी पारा, सतबिहिनीय मंदिर एवं अन्य क्षेत्रों में दौरा कर देखा जहां पेयजल की किल्लत कई दिनों से चल रही है। नगर निगम इस समस्या के समाधान के लिए गंभीर नहीं दिख रही है। ब्राह्मण पारा के साथ ही सड्डू चंगोरा भाटा ,पंजाबी कॉलोनी, टैगोर नगर सहित राजधानी के कई इलाकों में पेयजल की समस्या बनी हुई है। भीषण गर्मी में पेयजल की समस्या से निबटने के बजाए नगर निगम जल भराव के तैयारी कर रही है। पेयजल की आधी अधूरी तैयारी से जनता के मन में यह भाव आ गए हैं की क्या वह अब पानी के समस्या के बारे में सोचना छोड़ दें। लगभग १४ से ज्यादा वार्ड में पेयजल समस्या पर निगम गंभीर न होकर टैंकर चलाने और लाइट गोल करने को अपनी उपलब्धि मान रही है तो अलग बात है,अन्यथा जिन क्षेत्रों से पाइपलाइन से पानी देने या समस्या के निराकरण करने की बात कही गई थी वहां से कोई रिजल्ट नहीं मिला। जबकि सुशासन तिहार से लेकर सभी स्थानों पर कुछ वार्ड के पार्षद एवं जनता को विधायक महापौर जलकर समिति के अध्यक्ष आयुक्त सभी लोगों से उम्मीद थी कि उनके पेयजल संकट दूर होंगे।जनप्रतिनिधियों ने किसी को एक सप्ताह का समय दिया था किसी को तीन दिन में समस्या का समाधान होने की बात कही थी और तो और सुशासन में तो मंत्री ने स्पॉट में ही समस्या के समाधान की बात कही थी,वह सब बातें छोड़कर अब नाले नाले की सफाई की दिशा में निगम लग गई है तो जनता से वह कह दे कि कृपया पानी की समस्या के बारे में बात करना बंद कर दें ताकि जनता को यह स्पष्ट हो जाए कि उन्हें पेयजल संकट के बारे में निगम से कोई उम्मीद नहीं बची। दीप्ति दुबे के वार्ड भ्रमण के दौरान छाया पार्षद मनोज सोनकर, वार्ड अध्यक्ष सुयश शर्मा, विमल मिश्रा, आकाश सोनी, रवि शर्मा एवं अन्य उपस्थित थे।

व्यर्थ नहीं जाएगा शहीद जवानों का सर्वोच्च बलिदान, नक्सलवाद के समूल नाश का संकल्प करेंगे पूराः विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री और गृहमंत्री ने नक्सल मुठभेड़ में शहीद जवान मेहुल भाई के पार्थिव शरीर को कंधा देकर दी अंतिम विदाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बीजापुर जिले के उसूर क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान अदम्य साहस का परिचय देते हुए शहीद सीआरपीएफ कोबरा बटालियन के कांस्टेबल श्री सोलंकी मेहुल भाई नंदलाल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और पार्थिव शरीर को कंधा देकर उनके गृह राज्य रवानगी से पूर्व अंतिम विदाई दी। मुख्यमंत्री आज माना स्थित चौथी वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल परिसर पहुंचकर शहीद के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित किए और उन्हें नमन किया।

मुख्यमंत्री इस मौके पर शहीद के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की और ईश्वर से उन्हें इस कठिन समय में शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद मेहुल भाई की वीरता और देशभक्ति हमेशा याद रखी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पिछले एक वर्ष से नक्सल विरोधी अभियान तेज हुई है और हमारे जवानों ने नक्सलवाद से डटकर मुकाबला कर बड़ी सफलताएं हासिल की है। उन्होंने कहा कि मार्च २०२६ तक नक्सलवाद के समूल नाश का अपना संकल्प हम पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। सरकार शहीद परिवार के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव सहयोग करेगी। कांस्टेबल सोलंकी मेहुल भाई का बलिदान वीरता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की सर्वोच्च परंपरा को दर्शाता है।

इस अवसर पर प्रदेश के गृह मंत्री विजय शर्मा, विधायक मोतीलाल साहू, विधायक पुरन्दर मिश्रा, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

कोरबा मेडिकल कॉलेज में युवक की मौत के बाद हंगामा, चिकित्सक और स्टाफ पर लगे गंभीर आरोप

परिजनों ने कहा- मरीज तड़पता रहा, लेकिन डॉक्टर-नर्स ने नहीं की कोई मदद

कोरबा अम्बिकावाणी - जिला मेडिकल कॉलेज, कोरबा में एक २४ वर्षीय युवक की मौत के बाद जबरदस्त हंगामा खड़ा हो गया। मृतक की पहचान कोहड़िया निवासी अनिकेत यादव के रूप में हुई है, जिसे पेट दर्द की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

मरीज तड़पता रहा, कोई नहीं आयाज्झ परिजनों का आरोप अनिकेत के परिजनों ने ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक, स्टाफ और नर्स पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि अनिकेत बेड पर तड़पता रहा, लेकिन डॉक्टर और नर्सों ने कोई उपचार नहीं किया। उल्टा उन्हें अपमानजनक जवाब दिया गया, जिससे आक्रोशित होकर परिजन व स्थानीय लोग अस्पताल में हंगामा करने लगे। हंगामे की सूचना मिलते ही मेडिकल कॉलेज प्रबंधन मौके पर पहुँचा और तत्काल सिविल लाइन थाना पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और घटनाक्रम की जानकारी ली। मृतक के परिजन दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की माँग कर रहे हैं।

प्रबंधन ने जांच के दिए आदेश - अस्पताल प्रबंधन ने घटना की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दिए हैं। प्रबंधन का कहना है कि जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद दोषी पाए जाने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी मेडिकल कॉलेज में लापरवाही के आरोप लग चुके हैं, जिनमें कुछ डॉक्टरों को नोटिस भी जारी किया गया था। एक बार फिर कटघरे में मेडिकल कॉलेज की व्यवस्था यह घटना एक बार फिर मेडिकल कॉलेज की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती है। आम नागरिकों का भरोसा बनाए रखने के लिए समयबद्ध जांच और पारदर्शी कार्रवाई जरूरी है।

टुल्लू पंप से पानी की लूट बंदः कोरबा निगम की सख़्त कार्रवाई, 8 पंप जब्त

महापौर की चेतावनी- अब नहीं चलेगा पानी पर एकाधिकार, होगी कड़ी कार्रवाई

कोरबा अम्बिकावाणी - नगर निगम कोरबा ने वार्ड क्रमांक ०६, करामत अली गली में नलों में टुल्लू पंप लगाकर पेयजल आपूर्ति में बाधा डालने वालों के खिलाफ सख़्त कदम उठाते हुए ०८ पंप जब्त किए। निगम ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि दोबारा ऐसा किया गया तो अर्थदंड, नल कनेक्शन विच्छेद सहित अन्य कठोर कार्रवाई की जाएगी। शहर में निगम द्वारा प्रतिदिन दो बार पानी की आपूर्ति की जाती है, किंतु कुछ नागरिक टुल्लू पंप लगाकर अत्यधिक पानी खींचते हैं। इससे अन्य घरों तक पर्याप्त जल नहीं पहुंच पाता, जिससे आमजन को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

महापौर की अपील - पानी साझा करें, टुल्लू पंप न लगाएं- महापौर संजूदेवी राजपूत ने नागरिकों से अपील की है कि वे टुल्लू पंप लगाकर दूसरों के हिस्से का पानी न छीनें। उन्होंने कहा कि निगम की आपूर्ति व्यवस्था को बाधित करने पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। निगम द्वारा पेयजल की शुद्धता की नियमित जांच की जा रही है, ताकि हर घर तक स्वच्छ और पर्याप्त पानी पहुँच सके। इसके लिए पाइपलाइन प्वाइंट्स से नमूने लेकर वैज्ञानिक परीक्षण भी किया जा रहा है।

जनहित में अंतिम चेतावनी - नगर निगम ने दोहराया है कि यदि कोई नागरिक टुल्लू पंप लगाते पाया गया, तो उसके विरुद्ध सख़्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी, क्योंकि यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि सामूहिक हितों के विरुद्ध अपराध है।

धर्म है तो समाज है और राजनीति है - कौशल्या साय

पेण्ड्रा। पेण्ड्रा नगर सहित जीपीएम जिले के विभिन्न हनुमान मंदिरों में १०८ सप्ताह के दृढ़ संकल्प के साथ किए गए श्री हनुमान चालीसा पाठ विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष हर्ष छाबरिया और बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी और मातृ शक्ति ने मल्टीपरपज हायर सेकेंडरी स्कूल मैदान पेण्ड्रा में भक्ति मय माहौल में श्री हनुमान चालीसा पाठ का १०८ वां उद्यापन समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पत्नी कौशल्या साय सहित हजारों भक्तों ने सामूहिक रूप से श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया और महाआरती किया। पेण्ड्रा नगर में पहली बार इतना बड़ा धार्मिक आयोजन देखने को मिला। हजारों की संख्या में उमड़े लोग कई घण्टे तक भक्तिमय माहौल में सराबोर रहे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पत्नी कौशल्या साय ने अपने संबोधन में कहा कि हनुमानजी सभी का कल्याण करेंगे। इसी तरह से धर्म का काम आगे बढ़ता रहे। उन्होंने कहा कि धर्म है तो समाज है और राजनीति है। सभी एक दूसरे से जुड़े हैं। हम भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, मां दुर्गा के वंशज हैं।

कोरबा में ट्रक चालक से लूट, टायर बदलते वक्त 39 हजार रुपये और मोबाइल ले उड़े बदमाश

कोरबा अम्बिकावाणी - कोरबा के बरोदखार क्षेत्र में बीती रात ट्रक चालक और सहचालक को लूट का शिकार होना पड़ा। टायर बदलते समय चार अज्ञात बदमाशों ने हमला कर ३९,००० रुपये नकद, मोबाइल, दस्तावेज और अन्य सामान लूट लिया। यह घटना रात करीब २:३० बजे उस वक्त हुई जब चालक अंबिकापुर से कोंडागांव की ओर हाईब्रिड धान लेकर लौट रहा था। पीड़ित चालक आनंदपुर, बालोद निवासी है और धमतरी की नंदा ट्रांसपोर्ट कंपनी में कार्यरत है। चोटिया टोल पार करने के बाद एक ढाबे पर खाना खाने के बाद जैसे ही वे पुलिया के पास पहुंचे, ट्रक का टायर फट गया। टायर बदलने के दौरान एक सफेद कार में सवार चार युवक पहुंचे। एक ने पानी मांगा और बाकी ने हमला कर दिया। बदमाश चालक की खाकी शर्ट लेकर फरार हो गए, जिसमें नकदी, दस्तावेज और मोबाइल थे। चालक ने विरोध किया, पर हमलावर फरार हो गए। डायल १०० पर सूचना देकर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। एएसपी नितीश ठाकुर ने बताया कि आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है और जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

आमजन की समस्यओं का निराकरण करना ही सुशासन तिहार का उद्देश्यः कलेक्टर

पेंशन, वन अधिकर पत्र के मांगों पर समिति के अनुमोदन पश्चात लाभान्वित करने के दिए निर्देश

कोरबा अम्बिकावाणी- छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदेशभर में आयोजित सुशासन तिहार २०२५ के अंतर्गत २३ मई कोरबा ब्लॉक के दूरस्थ ग्राम पंचायत गुरमा में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शासन द्वारा निर्धारित तीन चरणों की प्रक्रिया के अंतर्गत अंतिम चरण के रूप में आयोजित इस शिविर में कलेक्टर अजीत वसंत शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आमजनों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित करना और उनकी समस्याओं का निराकरण करना ही सुशासन तिहार का प्रमुख उद्देश्य है। कलेक्टर श्री वसंत ने कहा कि सुशासन तिहार में प्राप्त सभी आवेदनों की जांच की गई है। आवेदन का परीक्षण कर जो भी मांग जितनी जल्दी पूरी हो सकती है, उस दिशा में ही कार्यवाही की जा रही है। जिला स्तर पर जो संभव है उन मांगों को यहां से ही पूरा कर दिया गया है और शासन स्तर के मांगों को पूरा करने के लिए शासन को प्रेशित किया गया है। कलेक्टर ने ग्रामीणों से संवाद कर बताया कि शासन द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की जाती है। आप अपनी जरूरत के अनुसार कभी भी आवेदन दे सकते हैं। जो भी समस्या या शिकायत है, आप सोमवार व गुरूवार के दिन कलेक्टर कार्यालय आकर बता सकते हैं। समाधान शिविर में कलेक्टर अजीत वसंत ने मौके पर प्राप्त आवेदनों पर की गई कार्यवाही की विभागीय समीक्षाओं की जानकारी भी ली। उन्होंने पेंशन के पात्र आवेदनों को जनपद पंचायत की सामान्य सभा की विशेष समिति से अनुमोदन पश्चात आगामी १५ दिवस में जारी करने एवं राशन कार्ड के सभी पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने हेतु निर्देशित किया। कलेक्टर श्री वसंत ने ग्रामीणों को बीमार होने पर नजदीक के स्वास्थ्य केंद्र में जाकर उपचार कराने की अपील करते हुए बताया कि किसी भी प्रकार की गंभीर बीमारियों के इलाज हेतु शासन-जिला प्रशासन की ओर से भी सहयोग प्रदान किये जाने की व्यवस्था है। उन्होंने जिन ग्रामों में मितानिन भवन की मांग है एवं सामुदायिक भवन उपलब्ध नहीं है वहां मितानिन भवन की स्वीकृति दिए जाने, जर्जर प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला एवं आंगनबाड़ी की स्वीकृति डीएमएफ मद से करने, वन अधिकार पत्र के पात्र आवेदनों को ग्रामसभा के अनुमोदन पश्चात नियमानुसार ग्राम वन समिति से अनुमोदन उपरांत वन अधिकार पत्र वितरण करने, ग्राम पंचायत गुरमा में बाजार शेड भूमि उपलब्ध होने पर स्वीकृत करने, चिर्रा से श्यांग रोड स्वीकृत करने की बात कही। उन्होंने अभिभावकों को अपने बच्चों को आंगनबाड़ी एवं स्कूल भेजने की अपील करते हुए बताया कि जिला प्रशासन द्वारा अच्छे नंबरों से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और डाक्टर, इंजीनियर की पढ़ाई के लिए भी पूरा सहयोग किया जाता है। आप सभी अपने बच्चों को स्कूल जरूर भेजे और उन्हें शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करें। शिविर में जिला पंचायत सदस्य रेणुका राठिया ने कहा कि च्शिक्षा एक शेरनी का दूध है जो पियेगा वो दहाड़ेगाज्। उन्होंने समस्त ग्रामीणजनों को शिक्षा पर जोर देते हुए पढ़ने व आगे बढ़ने की बात कही।

इससे पूर्व समाधान शिविर में जिला पंचायत सदस्य रेणुका राठिया, बिजमोती राठिया अध्यक्ष जनपद पंचायत, जनपद सदस्य बलेन्दर राठिया, गुरमा कलस्टर में सम्मिलित ११ ग्राम पंचायत, अमलडीहा, बासीन, चिर्रा, फूलसरी, गिरारी, गुरमा, कोलगा, लबेद, श्यांग, सिमकेंदा, सोलवां के समस्त सरपंच, उपसरंपच एवं पंच, शिविर के नोडल अधिकारी सरोज महिलांगे, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), सहायक नोडल कौशाम्बी गबेल, जनपद कोरबा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजनों की गरिमामय उपस्थित में छत्तीसगढ़ महतारी व महारानी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर साथ ही राज्य गीत च्अरपा पैरी के धारच्च से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सीईओ श्रीमती गबेल ने सुशासन तिहार के सभी चरणों की जानकारी देते हुए गुरमा कलस्टर में प्राप्त आवेदन की निराकरण की जानकारी ददी। उन्होंने बताया कि कलस्टर में प्राप्त कुल ५३०६ आवेदन में ५२१७ आवेदनों का निराकरण कर लिया गया है। शिविर में ग्राम पंचायत गिरारी, सोलवां, लबेद, सिमकेंदा, गुरमा के सरपंचों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी मुक्त ग्राम पंचायत का प्रमाण पत्र जारी किया गया। साथ ही मनरेगा कार्ड ०९, राशनकार्ड २३, पेंशन १४६, आवास स्वीकृति ०७, वन अधिकार पत्र पुस्तिका ११, किसान किताब ०१, पेट्रोल पंप ०१, मिनी राइस मिल ०१, हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। महारानी अहिल्याबाई होल्कर के ३००वीं जयंती पर उनके अमूल्य योगदान का महोत्सव भारत सरकार द्वारा एक अभियान के रूप में चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत ग्राम पंचायत गुरमा की स्वच्छता दीदियों को साड़ी वितरण कर सम्मानित किया।

समाधान शिविर में हितग्राहियों को मिली सौगात

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। मनेन्द्रगढ़ विकासखण्ड के स्कूल मैदान कछौड़ में आयोजित समाधान शिविर में 2 हजार 47 आवेदनों का निराकरण किया गया। शिविर में ग्राम कछौड़ के अलावा ग्राम रोकड़ा, बड़कबहरा, केराबहरा, बिहारपुर, शिवगढ़, पहाड़हसवाही, रोझी, डिहुली, बिरौरीडांड तथा ताराबहरा के निवासी शामिल हुए। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने-अपने विभाग से संबंधित चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने ग्रामीणों को जल संरक्षण और घरेलू नल कनेक्शन की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी।

उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से पानी बचाओ की शपथ ली और जल स्रोतों के संरक्षण हेतु जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। जनपद पंचायत द्वारा उषा, सावित्री, रोशनी, श्याम लाल, महरजिया, ललिता, संतोषी, सुशीला, मनिषा, विजय, राम बाई, सीमा, अनिता अगरिया एवं बाल कुमारी को नवीन राशन कार्ड वितरित किए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सीता सिंह, नान बाई, उर्मिला, ललिता, रोशनी, सविता, सीता, संतोषी, चंद्रवती, अमरतिया, सविता, सविता एवं श्यामवती को गोद भराई का लाभ दिया गया। इस अवसर पर अमित कुमार, रंविश, आस्था, पूर्वी, आकाश, शिवानी, अनन्या का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया, जिसमें बच्चों को पहली बार अन्न ग्रहण कराया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कुम्हा बाई, रामकली, सुखमंती, साधु सिंह, फुल कुंवर और मीना को आयुष्मान भारत कार्ड प्रदान किया गया, जिसके माध्यम से वे अब निःशुल्क इलाज की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा निर्माण ऑफसेट, आदर्श नगर डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड (मोवा थाना के सामने) मोवा रायपुर से मुद्रित कर वेलकम टॉवर, शंकर नगर फ्लैट नम्बर बी-1 से प्रकाशित ■ प्रधान संपादक -महेन्द्र सिंह टुटेजा, प्रबंध संपादक - नरेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ Email- raipurambikavani@gmail.com